भाद्रपद कृष्ण पक्ष-10, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 143 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
07 नवम्बर 2023
मंगलवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
18 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

विस चुनाव : आज सघन दौरे सभाओं का दिन

चुनावी समीकरणों को सुधारने विंध्य में मोदी किले पर खड़गे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज फिर मध्यप्रदेश में चुनाव प्रचार पर हैं। विंध्य पर भाजपा के बढते फोकस के चलते वे सीधी में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा ले रहे हैं। इससे पहले वे हाल के दिनों में दो बार दौरे करके अन्य अंचलों में तीन सभा ले चुके हैं। उधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आज शाम भोपाल में सभा करने वाले हैं इसके पहले व ग्वालियर में सभा करेंगे। विंध्य भाजपा के लिए तो ग्वालियर चंबल कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई बना हुआ है। वहीं भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा खरगौन एवं इंदौर जिले में चुनाव प्रचार कर रहे है। बड़वाह में उन्होंने कहा कांग्रेस हवा पानी और पताल तक घोटाले करती है। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में आज तीन4 सभाओं व तीन रथसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रियंका गांधी और राहुल गांधी को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि दोनों भाई-बहन लगातार झूठ बोलते हैं। कांग्रेस शासित राज्यों की नाकामियां, घोटाले और घपले दूसरे राज्यों की सरकारों पर मढ़ रहे हैं।

जज्जी बीमार: अशोकनगर से भाजपा उम्मीदवार एवं विधायक जजपाल सिंह जज्जी का स्वास्थ्य मंगलवार सुबह अचानक बिगड़ गया। उन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय मे भर्ती कराया गया है। सुबह उन्होंने अचानक सीने मे दर्द की शिकायत की। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

भारत को मिली गुड न्यूज, टॉप-10 में सबसे ऊपर, ग्रोथ में चीन को झटका

नई दिल्ली , एजेंसी।

वर्ल्ड बैंक से लेकर आईएमएफ तक ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास दर के अनुमान को संशोधित कर बढ़ाया है। अब इस लिस्ट में एक और बड़ी एजेंसी फिच रेटिंग्स शामिल हो गई है। फिच रेटिंग्स ने मध्यम अवधि के लिए भारत के ग्रोथ अनुमान को 0.7 फीसदी बढ़ाकर 6.2 फीसदी कर दिया है. दूसरी ओर चीन को एजेंसी की ओर से करारा झटका लगा है, क्योंकि उसके ग्रोथ अनुमान में बड़ी कटौती की गई है। फिच ने इससे पहले भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान मध्यम अवधि के लिए 5.5 फीसदी रखा था। जिसे 0.7 फीसदी तक बढ़ाकर अब 6.2 फीसदी कर दिया गया है। फिच ने मध्यम अवधि 2023 से 2027 को माना है. सबसे खास बात ये है कि फिच के मुताबिक, भारत की जीडीपी दुनिया की टॉप-10 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा रहने वाली है।

सोम ग्रुप के 5 राज्यों में 50 ठिकानों पर आयकर छापा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में एमपी नगर स्थित सोम ग्रुप के ऑफिस पर आयकर विभाग की टीम कार्रवाई कर रही है।

मध्यप्रदेश में आज भोपाल,जबलपुर इंदौर और रायसेन में शराब कारोबारी सोम ग्रुप के करीब पचास ठिकानों पर आयकर विभाग ने 'सर्च' शुरू किया है। दिल्ली कोलकाता कटक और बेंगलुरु में भी आयकर विभाग ने यह कार्रवाई की है। इसमे केंद्रीय पुलिस बल के साथ रायपुर बेंगलुरु मुंबई और दिल्ली के अधिकारियों को भी लगाया गया है। भोपाल में शाहपुरा एमपी नगर, अरेरा कॉलोनी सहित कई ठिकानों पर टीम ने दबिश दी। जानकारी के मुताबिक ग्रुप के मुख्य कार्यालय पर दबिश के कुछ ही मिनट बाद कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के घर और ऑफिस पर अफसरों की दूसरी टीमों ने छापा मारा गया सोम ग्रुप के मालिक जगदीश अरोड़ा के निवास और दफ्तरों के अलावा इस ग्रुप से जुड़े अधिकारियों के यहां भी आयकर विभाग की टीम जांच पड़ताल कर रही है। बताया जाता है कि एल्को-बेवरेज/ अलकोहल इंडस्ट्री में सोम ग्रुप सेंट्रल इंडिया की सबसे बड़ी कंपनी है। सोम ग्रुप ऑफ कंपनीज के प्रोडक्ट कई देशों में एक्सपोर्ट भी होते हैं। इनमें अमेरिका, न्यूजीलैंड, जर्मनी, फिनलैंड, नार्वे, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया सहित करीब 28 देश शामिल हैं। सोम ग्रुप के मालिक जगदीश अरोड़ा ने वर्ष 1980 में अपने पिता के नाम पर पहला डिस्ट्रीब्यूशन हाउस 'मेसर्स मोहन एंड कंपनी' शुरू किया। खबरें हैं कि छापे की कार्रवाई के बाबद कंपनी के शेयर में भी गिरावट हैं।

अमिताभ डरे तो केंद्रीय मंत्री ने दी सफाई

नई दिल्ली एजेंयसी। सोशल मीडिया पर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का एक वीडियो वायरल होने व एआई के इस तरह के इस्तेमाल से डरे अमिताभ बच्चन ने चिंता जाहिर की,तो केंद्र सरकार की ओर से तत्काल सफाई भी आई। दरअसल यह डीपफेक वीडियो है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लिया गया है। एक यूजर की पोस्ट शेयर करते हुए अमिताभ बच्चन ने लिखा यह एक मजूबत कानूनी केस है। अमिताभ के पोस्ट के बाद सरकार को सफाई देना पड़ी। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि डीपफेक लेटेस्ट और सबसे खरतनाक है। इसे डील करने की जरूरत है। मंत्री ने फर्जी खबर फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

विधानसभा में रिपोर्ट पेश, हंगामा

बिहार में सिर्फ 7 प्रतिशत ग्रेजुएट, 25 प्रतिशत सवर्ण परिवार गरीब

पटना , एजेंसी।

बिहार विधानसभा में आज जाति गणना रिपोर्ट रख दी गई है। इसे लेकर भारी हंगामा भी है। सदन में रिपोर्ट पर बहस होगी. इस रिपोर्ट में जातिगत जनगणना के आर्थिक और शैक्षणिक आंकड़े सामने आए हैं. इसके मुताबिक, बिहार में सिर्फ 7प्रतिशत आबादी ग्रेजुएट है। आर्थिक स्थिति के मामले में राज्य में सामान्य वर्ग में 25.9 फीसदी परिवार गरीब हैं। सर्वणों में सबसे ज्यादा गरीब भूमिहार और ब्राह्मण परिवार हैं। दरअसल, नीतीश सरकार ने बिहार में जातिगत जनगणना कराई थी. इस साल अक्टूबर में इसके आंकड़े जारी किए गए थे. अब इसे विधानसभा में पेश किया जा रहा है. इसके साथ ही जातिगत जनगणना के आर्थिक और शैक्षणिक आंकड़े भी जारी किए जा रहे हैं।

- बिहार में 22.67 प्रतिशत आबादी ने कक्षा 1 से 5 तक की शिक्षा हासिल की है।
- 14.33 फीसदी आबादी ने कक्षा 6 से 8 तक की शिक्षा हासिल की।
- 14.71 फीसदी आबादी कक्षा 9 से 10 तक की पढ़ाई की है।
- 9.19 फीसदी आबादी कक्षा 11 से 12 तक पढ़ी है।
- ग्रेजुएट धारकों की आबादी सिर्फ 7प्रतिशत है।

मिठाइयों के सैंपल लिए, रिपोर्ट का पता नहीं, हर वर्ष यही होता है!

दीपावली समेत अन्य त्यौहार के पहले लेते हैं सैंपल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दीपावली नजदीक है और खाद्य एवं औषधीय प्रशासन ने खाद्य सामग्रियों के सैंपल लेने के अभियान को तेज कर दिया है लेकिन इनकी जांच रिपोर्ट कब तक आएगी, यह तय नहीं है। यह पहली बार का हाल नहीं है, बल्कि हर बार यही होता है। सैंपल तो लिए जाते हैं लेकिन उसकी रिपोर्ट और उस रिपोर्ट पर होने वाली कार्यवाही का कोई ठिकाना नहीं होता है।

आम लोगों में नाराजगी: आम लोगों का कहना है कि प्रशासन को जब सैंपल लेने ही हैं तो खानापूर्ति नहीं की जानी चाहिए, बल्कि तुरंत जांच रिपोर्ट का इंतजाम भी करना चाहिए और बताना चाहिए कि जिस संस्थान से सैंपल लिए हैं, वह मान्य है या अमान्य। प्रशासन जब तक यह स्थिति साफ नहीं करेगा, तब तक ग्राहकों का कोई फायदा नहीं होने वाला है क्योंकि रिपोर्ट आने तक कई ग्राहक खाद्य सामग्री खरीदकर उसका उपयोग कर चुके होंगे। यही नहीं, यदि जिस प्रतिष्ठान से सैंपल लिए जा रहे हैं और यदि उसमें कोई खराबी नहीं है तो उस संस्थान का भी नुकसान है, क्योंकि सैंपल लेने की खबर मात्र से ग्राहक उस ओर जाने से कतराने लगते हैं। दोनों ही स्थिति में नुकसान होता है।

यहां से लिए सैंपल

विभाग के अधिकारियों की ओर से दावा किया कि सोमवार को मिलावट के खिलाफ कार्यवाही शुरू करते हुए बाग मुगलिया स्थित गणपति बीकानेर से मावा से बनी दो मिठाइयों के दो नमूने, नर्मदापुरम रोड़ स्थित ब्रजवासी स्वीस्ट्स से दो नमूने, ललितानगर कोलार रोड स्थित गोकुल स्वीट्स् से से दो नमूने, गुरूकृपा स्वीट्स से मावा की मिठाइयों के दो नमूने, वाहे गुरू डेयरी एण्ड प्रोटीन्स् से पनीर तथा बेसन लड्डू के नमूने, देवनारायण स्वीट्स् से मावा तथा मलाई बर्फी के नमूने, शाहपुरा स्थित मुरैना डेयरी एण्ड स्वीट्स् से से मावा से बनी मिठाइयों के दो नमूने, खेतेश्वर बीकानेर स्वीट्स से मावा से बनी मिठाइयों के तीन नमूने, बैरागढ़ स्थित खुशबू डेयरी से दूध, पनीर, दही तथा घी के नमूने, चंचल स्वीट्स से मिठाइयों के तीन नमूने तथा वर्षा स्वीट्स से तीन नमूने लिये गए हैं । सभी सैंपलों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। इसकी पुष्टि खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र दुबे ने की है।

भोपाल से फ्लाइट्स से मुंबई, बेंगलुरू, हैदराबाद एवं अहमदाबाद का किराया तीन गुना

दीपावली पर फजीहत: ट्रेनों में नो रूम, फ्लाइट्स में 3 गुना तक बढ़ा किराया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दीपावली का त्यौहार सामने है। जिसे मनाने के लिए लोग एक से दूसरे शहर में जाने को तैयार है लेकिन ट्रेनों में नो रूम है। वेटिंग के टिकट भी नहीं मिल रहे हैं तो फ्लाइट्स में तीन गुना तक अधिक किराया लग रहा है। इस दीपावली आम और खास दोनों ही श्रेणी के लोग परेशान हैं। आमतौर पर ट्रेनों का सफर आम आदमी के लिए किफायदी माना जाता है लेकिन भोपाल से दिल्ली, चेन्नई, मुंबई, बेंगलोर समेत सभी दिशाओं में गुजरने वाली ट्रेनें फुल है। यहां तक कि प्रीमियम ट्रेनों में भी दीपावली तक बर्थ नहीं है। इनमें फ्लेक्सी फेयर चार्ट अलग लागू हो रहा है, जिसकी वजह से किराये में मामूली बढ़ोतरी हो रही है। यह फेयर तभी लागू होता है जब टिकट की मांग बढ़ती है, जो कि इस समय बढ़ी हुई है।

वहीं एयरलाइंस कंपनियों ने भी टिकट की मांग को अवसर में लेते हुए किराये में बढ़ोतरी कर दी है। कंपनियों का दावा है कि जब भी टिकट की मांग बढ़ती है स्वत-ही फ्लेक्सी फेयर प्रणाली लागू हो जाती है इसलिए किराया अधिक चुकाना होता है। यह प्रणाली पुरानी है।

5 हजार का टिकट 15 हजार में भी नहीं मिल रहा

आमतौर पर फ्लाइट्स में भोपाल से मुंबई का टिकट 5 हजार रुपये तक मिल ही जात है, जो वर्तमान में कुछ कंपनियों की फ्लाइट्स में 15 हजार रुपये में भी नहीं मिल रहा है। यात्रियों का अनुभव है कि मुंबई, बेंगलोर, हैदराबाद से भोपाल लौटना सबसे महंगा है अन्य शहरों के टिकट भी महंगे हो गए हैं।

यह है किराया बढ़ने का गणित

बताया जा रहा है कि अधिक यात्री मिलने के कारण कंपनियों ने डायनामिक फेयर बढ़ा दिए है। आमतौर पर स्पाट फेयर अधिक होता है। एक सप्ताह या इससे अधिक दिन पहले बुकिंग कराने पर किराया कम हो जाता है लेकिन बार कुछ शहरों का प्री-बुकिंग फेयर अधिक हो गया है। इसका कारण बड़े शहरों से भोपाल आने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ना है। मध्यम वर्ग भी अब विमान का सफर कर रहा है इसका फायदा भी एयरलाइंस कंपनियां उठा रही हैं।

भोपाल से उड़ानों की स्थिति

भोपाल से दिल्ली, मुंबई तक सबसे अधिक उड़ानें हैं। दिल्ली तक छह तो मुंबई के लिए तीन उड़ानें हैं। बेंगलोर, हैदराबाद, अहमदाबाद, रायपुर रूट पर भी उड़ानें हैं। भोपाल से दिल्ली तक हाल ही में एक अतिरिक्त उड़ान शुरू हुई है। सीटों की संख्या बढ़ने से इस रूट पर अब भी दूसरे शहरों के मुकाबले कम किराया लिया जा रहा है।

चुनाव के पहले बदमाशों को किया जिला बदर, इनमें से कुछ को करना था गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पुलिस ने चुनाव के पहले करीब 10 बदमाशों को जिला बदर किया है। इनमें से कुछ बदमाशों को गिरफ्तार किया जाना था जो नहीं किया गया और उसके पहले ही जिला बदर की कार्यवाही कर दी। पुलिस प्रशासन का कहना है कि चुनाव में शांति बनी रहे, इसे देखते हुए यह कार्यवाही की है। इन बदमाशों पर गाली गलौच, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने जैसे अपराध दर्ज थे।

इन बदमाशों को किया जिला बदर: मिसरोद के शनिदेव राव, खजूरी सड़क के बदमाश रामदयाल माली , मिसरोद के रामगोपाल चौकसे, हनुमानगंज के गौरव राणा, हनुमानगंज के गौरव गुप्ता , बैरागढ़ के आशीष इसरानी , गौतम नगर के वसीम उर्फ बादशाह, गौतम नगर के शहजाद उर्फ सलमान , हनुमानगंज के मोहसिन कुरैशी उर्फ तंजीम और अरेरा हिल्स के पप्पू चटका उर्फ हसीन कुरैशी को जिलाबदर किया है।

अतिथि विद्वानों को दो माह बाद भी नहीं मिला बढ़ा मानदेय

भोपाल। पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाने वाले अतिथि विद्वानों को दो माह बाद भी बढ़ा हुआ मानदेय प्राप्त नहीं हो रहा है। पॉलिटेक्निक अतिथि विद्वान (व्याख्याता) संघ के प्रदेश महासचिव देवीदीन अहिरवार ने बताया कि सीएम की घोषणा के दो माह बाद भी तकनीकी शिक्षा विभाग ने अनुबंध शर्तों का पेंच फंसाते अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। इस कारण विभाग के अंर्तगत कार्यरत अतिथि विद्वानों को बढ़े हुए मानदेय का लाभ नहीं मिल रहा है।

50 हजार रुपए तक मानदेय देने की घोषणा : पॉलिटेक्निक अतिथि विद्वान (व्याख्याता) संघ के प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पस्तारिया ने बताया कि पॉलिटेक्निक व इंजीनियरिंग कॉलेजों में कार्यरत 1 हजार 253 अतिथि व्याख्याताओं को अब भी पूर्व में निर्धारित मानदेय के आधार पर ही भुगतान किया जा रहा है। जबकि मुख्यमंत्री ने 11 सितंबर को महापंचायत में 50 हजार रुपए तक मानदेय देने की घोषणा की थी।

बीयू : पूरक परीक्षा की तारीख में बदलाव, अब 28 से

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) ने कई पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं की तारीख में बदलाव किया है। इसमें स्नातक स्तर दूसरे, चौथे और छठवें सेमेस्टर की एटीकेटी के टाइम टेबल में कॉलेजों में अवकाश को दृष्टिगत रखते हुए संशोधन किया गया है। इनमें बीकॉम सेकंड सेमेस्टर एक्स और एटीकेटी की बिजनेस मैनेजमेंट की परीक्षा 9 नवंबर की जगह 28 नवंबर को होगी।

मोटू-पतलू और छोटा भीम बनकर छात्रों ने दिया मतदान का संदेश

भोपाल। राजधानी के शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय (एमवीएम), ईएलसी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एक कार्यक्रम आयोजन किया गया। इसमें मल्टीमीडिया वेन के माध्यम से चिन्हित स्थानों पर जहां मतदान प्रतिशत कम है, वहां जाकर मतदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जहांगीराबाद, बाणगंगा, शिवाजी नगर, न्यू मार्केट स्थानों में जाकर मल्टीमीडिया वेन के माध्यम से जागरूकता एवं सी-विजिल ऐप के बारे में जानकारी दी गई। प्राचार्य एमएस रघुवंशी, प्रो. वीके पाराशर और कार्यक्रम अधिकारी पीसी माथुर, नोडल अधिकारी डॉ. नीतू शर्मा एवं कैंपस एंबेसडर अभिषेक यादव, अभिषेक लोवंशी, वैष्णवी बाथरे, वंदना मेहरा एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक तन्मय विश्वास, प्रभात मौर्य के द्वारा मल्टीमीडिया वेन को प्रस्थान किया गया।

एमवीएम कॉलेज

नवोदय विद्यालय

आवेदन प्रक्रिया पूरी, अब 18 फरवरी को होगी प्रवेश परीक्षा

भोपाल। जवाहर नवोदय स्कूल में कक्षा 9वीं और 11वीं में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। यह परीक्षा 10 फरवरी 2024 को सुबह 11 बजे से आयोजित की जाएगी।

भोपाल में इस परीक्षा के लिए दो परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा में हिन्दी, अंग्रेजी, गणित और विज्ञान के बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। प्रश्न पत्र द्विभाषीय होगा और उत्तर ओएमआर शीट में अंकित करने होंगे।इसी प्रकार कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा में मानसिक अभिरुचि, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। प्रश्न पत्र द्विभाषीय होगा। उत्तर ओएमआर शीट में अंकित करने होंगे।

बजरंग सेना समिति ने बच्चों को दी हैप्पी दीवाली किट

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

बजरंग सेना समिति ने मां काली मंदिर हलालपुर में हनुमानजी की आरती कर प्रसादी वितरण किया गया। साथ ही दीवाली के अवसर पर बच्चों को हैप्पी दीवाली किट भेंट कर दीपोत्सव की बधाई दी गई।

समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने बताया कि बजरंग सेना समिति द्वारा इस वर्ष बच्चों को हैप्पी दीवाली किट दी गयी है। इसमें मां लक्ष्मी की प्रतिमा, गणेशजी के साथ दीपदान, मिठाई, नमकीन, पटाखे हैं। देवानी ने बताया कि इस कार्य में समिति के उपाध्यक्ष जीतू शिवनानी का सहयोग है। समिति के अर्चक पुरोहित, राज कुमार गर्ग ने का पूरे उत्सव के साथ दीपावली मनाएं। शिक्षाविद आसुदो लच्छवाणी ने उदबोधन में कहा कि कर्म सबसे ब?ा धर्म है, कर्म करने से बिन मांगे सब कुछ मिल जाता है, धर्म करने से मांगना पडता है। इसलिए कर्म करते रहे बिन मांगे सब मिल जाएगा। सलाहाकार मूलचंदानी ने दीवाली की अग्रिम बधाई दी। इस अवसर उपाध्यक्ष राज बिजोरिया, जीतू शिवनानी, महेश दरयानी, महासचिव राजेश केवलानी, सचिव गुरदास रामचंदानी, विष्णु नाथानी, आयुश शर्मा, खेमचंद नेहचलानी, शिवानी शर्मा प्रांजल शर्मा आदि मौजूद थे।

मेट्रो एंकर भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा का जनसंपर्क अभियान जारी

गांव, गरीब और किसान कल्याण के लिए किए काम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

गांव, गरीब और किसान कल्याण के लिए बीते 18 साल में बीजेपी सरकार ने जितना काम किया, उतना काम पहले किसी सरकार ने नहीं किया हुजूर विधानसभा क्षेत्र में गांव-गांव तक स्वास्थ्य शिक्षा और सड़क पहुंची है, इसलिए हम आपका वोट अधिकार के साथ मांगने आए हैं।

यह बात जनसंपर्क के दौरान भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा ने कही। भाजपा शर्मा ने अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों का विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, क्षेत्र का विकास मेरी पहली प्राथमिकता है। मैंने एक सेवक के रूप में हुजूर परिवार का मन जीता है। इसलिए अब परिवारजन मुझे विजयी बनाएगें। जनसंपर्क के साथ सोमवार को शर्मा ने फंदा मंडल कार्यालय का शुभारंभ भी किया। साथ ही वार्ड 83 व 84 बूथ की बैठक शामिल हुए।

यहां-यहां किया जनसंपर्क

हुजूर प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा ने रविवार को क्षेत्र के नवीन बस्ती, बैरागढ़ कलां, फंदा, तूमड़ा, वैभव मैरिज गार्डन, महाबली नगर, कोलार, श्रद्धा मैरिज गार्डन, सीटीओ, प्रताप वार्ड, वार्डके विभिन्न क्षेत्रों के साथ 50 से अधिक स्थानों पर जनसंपर्क किया।

पाइथन इंटर्नशिप में उत्कृष्ट प्रतिभागियों का सम्मान

हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के कम्प्यूटर सांइस विभाग ने इंटर्नशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने छात्राओं को सम्मानित किया। यह इंटर्नशिप बीसीए एवं बीएससी कम्प्यूटर सांइस प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए पाइथन प्रोगामिंग पर आयोजित की गई थी। पाइथन प्रोगामिंग विशेषज्ञ भूपेन्द्र खिलरानी ने छात्राओं को पाइथन की सूक्ष्मतम जानकारी उपलब्ध कराई। प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि पाइथन कम्प्यूटर की छात्राओं के लिए बेहद उपयोगी होती है। इस ट्रेनिंग प्रोगाम में कुछ छात्राओं को ''बेस्ट परफॉर्मर अवार्ड'' से सम्मानित किया गया।

दो *शक्तिशाली योद्धाओं* से जूझने की मजबूरियां

मप्र की राजनीति में यदि अर्जुन सिंह का नाम *गौरतलब* है तो सुभाष यादव का भी। इसीलिए राजनीतिक झंझावात या उतार-चदाव कितने भी आएं लेकिन दोनों के बेटों अजय सिंह व अरूण यादव का नाम भी सियासी परिदृश्य पर नजरअंदाज नहीं होता। संयोग यह है कि इस वक्त दोनों ही अपने राजनीतिक जीवन के कठिन पड़ावों पर हैं, दोनों उस वक्त भी कश्मकश में थे, जब पंद्रह महीने कांग्रेस की सरकार थी। मगर किसी पुत्र के भीतर उसका पिता भी पैबस्त होता है, बहुत गहरे तक। इन दोनों के पिता राजनीतिक जीवट के धनी थे, यही बात इन दोनों में झलक भी जाती है। अर्जुन सिंह ने एक वक्त परेशान होकर कांग्रेस से अलग राह चुनी थी, बाद में वे अपनी मुख्य राह पर वापस भी लौटे, तो यादव सरकार में रहकर भी कई बार बागी तेवर *अपनाते व आजमाते* थे।

चेहरा एक अदद
आशीष दुबे

अजय सिंह इस वक्त चुरहट से विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं, वे चुरहट की जनता व अपने भाग्य को ही नहीं, बल्कि खुद को भी आजमा रहे हैं, या कहें कि खुद से भी लड़ रहे हैं। पिछली चुनावी हार के बाद सिंह ने खुद को राजनीतिक बियाबान में पाया था,पांच साल वे कांग्रेस के नेपथ्य का चेहरा रहे। लेकिन आज भी विंध्य में कांग्रेस के बड़े चेहरों की तलाश हो तो पहला नाम ही उनका उभरता है। 2018 की अनपेक्षित हार के बाद पार्टी अंदरखानों में चलने वाली कुश्तियों ने उन्हें कई मर्तबा चित् करने की कोशिशें भी कीं। शायद इसीलिये इस बार उन्होंने अपने पूरा ध्यान ही चुरहट पर रखा है, वे दाएं-बाएं देखने के मूड में नहीं हैं। क्योंकि चुरहट में लड़ाई इस बार भी आसान नहीं है, यह बात क्षेत्र के कई कांग्रेस नेता मानते हैं कि सिंह को फिर *अपनों* व भाजपा दोनों से जूझना है। करीबियों की मानें तो सिंह ने भी इस बार अपनी चुनाव लड़ने की 'शैलियों' और रणनीतियों में परिवर्तन किया है। इस पर दो साल से वे काम कर रहे थे।

उल्लेखनीय होगा कि बीते चुनाव में कांग्रेस के समीकरण कुछ ऐसे बिखरे थे कि विंध्य वाटरलू बन गया था, इस बार बदले हालातों में भाजपा के लिये भी सवाल यही है, इसीलिए कोशिशें दोनों तरफ से भरपूर हैं। इधर उम्र के छठवें दशक में पहुंच चुके अजय सिंह समझ गए हैं कि विंध्य में नए चेहरे उभारने की कोशिशें कांग्रेस शुरू कर चुकी हैं, वे इस फेर में नहीं पड़ना चाहते कि यह पहल किसकी तरफ से हुई है और सूत्रधार कौन है, वे सीधी व चुरहट के अपने पुराने नेटवर्क को साधकर अपने चेहरे को नया बनाने में जुटे हैं।

खरगौन से सीधी की दूरी लगभग सात सौ किमी है लेकिन फिर भी दोनों अंचलों के चेहरों में जो साम्य है, वह साफ नजर आता है। निमाड़ के मुख्यालय माने जाने वाले खरगोन में अरूण यादव सक्रिय हैं, वे दावा कर रहे हैं कि निमाड़ के जबर्दस्त सपोर्ट से ही कांग्रेस की सरकार बनेगी। हालांकि वे खुद चुनाव नहीं लड़ रहे लेकिन स्टार प्रचारक जरूर हैं। अरूण भी उसी झंझावात से गुजरते रहे हैं जो अजय सिंह के सामने रहे हैं। पार्टी के ओबीसी चेहरे के रूप में मप्र के कुछ इलाकों में उनका उपयोग किया भी गया है, लेकिन *भरपूर उपयोग* को लेकर कुछ सवाल तैरते हैं, जो अनुत्तरित रहते हैं मगर उनके उत्तर 'अनुमानित' ही हैं। यादव को पिता की ही तरह करीब पांच साल मप्र कांग्रेस अध्यक्ष रहने का मौका मिला, उनके चेहरे पर पिता जैसा आक्रामक तेवर भले नजर नहीं आता, लेकिन भीतर से वे पिता की तरह खुद को तब जुझारू साबित कर चुके हैं जब उन्होंने भी भाजपा की सत्ता से जूझकर चार विधानसभा उपचुनाव पार्टी को जिताए। हालांकि यह भी नजर आता है कि अपने पिता के नेटवर्क को अरूण व अजय पूरी तरह *उपयोग* नहीं कर पाए। उम्र के मान से देखें तो अरूण यादव के पास खुद को स्थापित करने के लिये वक्त थोड़ा ज्यादा है, इसीलिये शायद वे इंतजार कर रहे हैं। जैसा कि, टालस्टाय ने कहा था कि 'दो सबसे शक्तिशाली योध्दा धैर्य व समय ही हैं।' शायद अरूण यादव व अजय सिंह इसी से जूझ रहे हैं..।

इलेक्शन डायरी

राजेश सिरोठिया

नाथ के राम प्रेम से रूठते मुस्लिम वोटर

सूबे में हो रहे विधानसभा चुनावों के दौरान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ का राम और हनुमान प्रेम मुस्लिम मतदाताओं के एक धड़े को रास नहीं आ रहा है। याद कीजिए पिछले विधानसभा चपुनाव को, जिसके दौरान एक नाथ का मुस्लिम नेताओं के साथ एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें उन्होंने कहा था कि पहले मुस्लिम कांग्रेस को वोट तो दें बाकी को हम देख लेंगे। लेकिन इस बार नाथ का हिंदुत्व कुलांचे मार रहा है। पहले वह सिर्फ छिंदवाड़ा में बनाए गए हनुमान मंदिर का जिक्र करते थे। लेकिन इस बार राम भक्त से लेकर अयोध्या तक ही उनका प्रेम सीमित नहीं है। उन्होंने रामपथ गमन से लेकर सीता माता मंदिर के शरीलंका में निर्माण से लेकर नर्मदा परिक्रमा परिषद के गठन से लेकर परिक्रमा मार्ग पर 51 नर्मदा भवन ,दर्जनों घाट के निर्माण से लेकर भगवान परशुराम के जन्मस्थल जानापाव को पवित्र स्थल घोषित करने का संकल्प दोहराया है। पुजारियों की सम्मान निधि बढ़ाने से लेकर सभी पंथ के कर्ताधर्ताओं के परिवारों का 25 लाख का हेल्थ बीमा की बात कही है जैन बौद्ध और सिख समाज के तीर्थस्थलों के विकास के साथ मुनिराजों की सुरक्षा की बात नाथ ने कांग्रेस के संकल्प में दोहराई है। नाथ के इस हिंदु प्रेम से सूबे का एक मुस्लिम धड़ा खफा दिख रहा है, लेकिन नाथ के नजदीकियों की मानें तो मुसलमानों के वोट तो कांग्रेस के पाले में ही आएंगे, साथ में हिंदु पसीज गए तो कांग्रेस की पौ बारह हो जाएगी।

फर्क नेता और नौकरशाह का

रेल मंत्री और उड़ीसा कॉडर के पूर्व आईएएस अश्विनी वैष्णव का हाल देखने वाला है। जब कांग्रेस से लेकर भाजपा मुफ्त की रेवड़ी बांटने में लगा है वहीं वैष्णव ने रेल मंत्रालय में कोरोना काल से अस्थाई तौर पर स्थगित 46 प्रकार के टिकट में दी जाने वाली रियायतों को एक झटके में हमेशा के लिए प्रतिबंधित कर डाला है इस सुविधा से प्रभावित होने वालों में सीनियर सिटीजन पुरूष-महिला मुसाफिरों से लेकर खिलाड़ियों और वीरता पदक प्राप्त सैन्य और पुलिस अफसरों से लेकर अधिमान्यता प्राप्त पत्रकारों तक कई तरह के वर्ग वैष्णव की इस तंगदिली से हैरान हैं, जो अरसे से इस छूट की बहाली का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। 80 करोड़ लोगों को 2028 कर मुफ्त राशन देने की एक झटके में रियायत देने वाली केंद्र की इस मोदी सरकार के रेल मंत्री की 800 करोड़ बचाकर देश के मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग को चिढ़ाने वाला फैसला तब आया है जब विधानसभा से लेकर लोकसभा के चुनाव सिर पर हैं। जब वैष्णव को भोपाल में पत्रकारों ने इस बारे में कुरेदा तो वह रेलवे की माली हालत की दुहाई देते हुए आगे बढ़ गए। जब भाजपा के ही एक नेता से लोगों ने रेलवे के इस फैसले के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि मुद्दा तो सही है लेकिन एक नेता और नौकरशाह की सोच औरसंवदेनशीलता में यही फर्क होता है।

बेचारे अशोक सिंह

ग्वालियर में कांग्रेस की बात करो और वहां के खांटी कांग्रेसी तथा होटल कारोबारी अशोक सिंह का नाम नहीं आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। लेकिन कमरिया यादव समाज से ताल्लुक रखने वाले सिंह इन दिनों परेशान हैं। पिछले चुनाव में बसपा की तरफ से अच्छा प्रदर्शन करने वाले साहिब सिंह गूर्जर को वह दिग्गीराजा से मिलाने ले गए। टिकट का दिलासा देकर उन्हें कमलनाथ की मौजूदगी में कांग्रेस प्रवेश दिलाया गया। ग्वालियर की ग्रामीण विधानसभा सीट से साहिब सिंह गूजर चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन लोकसभा के कई चुनावों में भारी संघर्ष करने के बावजूद नाकाम होने वाले अशोक सिंह की हसरत भी विधानसभा में दो-दो हाथ करने की हो गई। भोपाल में उनकी सियासत के आका दिग्विजय सिंह हैं। लेकिन जब बात कमलनाथ तक पहुंची तो उन्होंने अशोक सिंह को प्रदेश कांग्रेस दफ्तर में बैठकर खजांची का काम देखने को कह दिया। वहां वह काम शुरू कर पाते कि नाथ ने नया फरमान सुनाते गुए ग्वालियर जिले की सीटों की निगरानी का काम सौंप दिया। न खुदा ही मिला न विसाले सनम वाले हालात लेकर अब अशोक सिंह अब ग्वालियर में कांग्रेस की संभावनाओं को तराशते फिर रहे हैं, लेकिन उन्हें इनकी मेहनत का इनाम मिलेगा या उनके अहसानों को कोई मानेगा, इसमें शक दिख रहा है।

शिवराज ने ली सभा, आज खड़गे भी दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में

राजधानी पर बढ़ा दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं का फोकस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने बीती रात भोपाल के दक्षिण पश्चिम क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार के लिये सभा की तो आज शाम कांग्रेस उम्मीदवार पीसी शर्मा के लिये कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सभा लेने आ रहे हैं। अगले कुछ दिनों में राहुल गांधी की भी सभा व रोड शो भोपाल में होने वाला है। वहीं भाजपा की केंद्र सरकार के आधा दर्जन वरिष्ठ नेता व मंत्री भी विभिन्न चुनाव क्षेत्रों में सक्रिय हैं। इस कड़ी में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ग्वालियर में सभा में कहा कि हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकारें हैं मगर विकास तो वहां दूर, इन राज्यों में सरकारी कर्मचारियों को समय पर वेतन मिलना भी मुश्किल हो रहा है। लेकिन भाजपा शासित राज्यों में ऐसी कोई शिकायत नहीं मिलती। वहां खुशहाली और विकास है।

मुख्यमंत्री ने भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंबेडकर मैदान में जनसभा को संबोधित करते कहा कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला नहीं कर पा रही है, इसलिए अब धमकी देने पर उतर आई है। कांग्रेस पार्टी के नेता पहले अधिकारियों को धमकी दे रहे थे, अब तो उनके नेता हमारी स्व सहायता समूह की बहनों को भी धमकी देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस का धमकी राज नहीं चलने वाला है। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री रामदास आठवले ने भी संबोधित करते हुए पार्टी प्रत्याशी को जिताने की अपील की। वहीं भितरवार में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस की जहां-जहां सरकार है, वहां-वहां तीन सी यानी कट, कमीशन और करप्शन का दौर चल रहा है। मध्यप्रदेश में भी 2003 के पहले यही दौर था। मध्यप्रदेश में जब कमलनाथ की सरकार बनी, तब भी योजनाओं में कटौती, कमीशन और भ्रष्टाचार का बोलबाला था। कमलनाथ सरकार ने मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही संबल सहित करीब 51 सामाजिक व विकास योजनाओं को बंद कर दिया था। भितरवार के लोगों से मेरा खून, माटी, प्रगति और विकास का रिश्ता है। सिंधिया ने दतिया, भाण्डेर, सेवड़ा, लहार, अटेर और मेहगांव विधानसभा क्षेत्रों में भी पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया।

कर्मचारी भाजपा को वोट नहीं देगा: सज्जन

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जन सिंह वर्मा ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर कर्मचारियों को ठगने का गंभीर आरोप लगाया। वर्मा ने कहा कि जिस कर्मचारी को प्रदेश सरकार ने ठगा है वह भाजपा को कभी वोट नहीं देगा। गौरतलब है कि सभी शासकीय कर्मचारी चुनावों में ड्यूटी के चलते मतदान के पूर्व नियत मतदान केदो पर अपना वोट डालेंगे। वर्मा ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना की मांग प्रदेश के कर्मचारी सालों से कर रहे हैं, साथ ही लगातार इस मांग को लेकर धरना प्रदर्शन तथा आंदोलन तक कर चुके है लेकिन प्रदेश सरकार ने बार-बार कर्मचारियों को झूठे आश्वासन दिए।

आज कई भाजपा नेताओं के दौरे

भाजपा का वरिष्ठ नेतृत्व आज भी विभिन्न जिलों के प्रवास पर है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी बैतूल, मुख्यमंत्री नरसिंहपुर, छिंदवाडा, सागर व रायसेन, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल रतलाम, मदंसौर व नीमच, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर शिवपुरी, दतिया, श्योपुर, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा उमरिया एवं शहडोल,कैलाश विजयवर्गीय खरगौन, ज्योतिरादित्य सिंधिया अशोकनगर, गुना, शिवपुरी एवं ग्वालियर ग्रामीण, प्रहलाद पटेल छिंदवाडा, अनुराग ठाकुर सागर, बीना व विदिशा, अर्जुन मुंडा मंडला, केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति सागर, जयभान सिंह पवैया उज्जैन जिले की विस में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे।

चुनावी मैदान में उतरे उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता

7 पीएचडी, 3 एमबीबीएस, 36 एलएलबी व 16 हैं इंजीनियर, 41 प्रत्याशी ऐसे जिनकी पांचवीं से लेकर 12वीं तक की पढ़ाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए 17 नवंबर को मतदान होना है। भाजपा ने 230 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी चुनाव में उतारे हैं। यह प्रत्याशी शैक्षणिक योग्यताओं के साथ ही चुनाव का भी अलग-अलग अनुभव रखते हैं। इसमें पहली बार चुनाव लड़ रहे नेताओं से लेकर आठ बार तक विधायक रहे प्रत्याशी भी हैं। सात पीएचडी, 36 एलएलबी, 16 इंजीनियर, 3 एमबीबीएस, 24 बारहवीं पास, नौ 10वीं पास, एक सातवीं और दो आठवीं पास हैं। दो पांचवी पास हैं।

इन्होंने की 5वीं से 12वीं तक के प्रत्याशी: धरमपुरी (अजजा) से कालू सिंह ठाकुर, बड़वानी से (अजजा) प्रेम सिंह पटेल पांचवीं पास है। रतलाम ग्रामीण से मथुरालाल डाबर सातवीं पास हैं। जुन्नारदेव (अजजा) से नत्थन शाह, राजपुर (अजजा) से अंतर सिंह पटेल ने आठवीं तक की कक्षा उत्तीर्ण की है। सबलगढ़ से सरला रावत, सुमावली से एदल सिंह कंसाना, ग्वालियर ग्रामीण से भारत सिंह कुशवाह, पिछोर से प्रीतम लोधी, निवाड़ी से अनिल जैन, मलहरा से प्रद्युम्न सिंह लोधी, भीकनगांव (अजजा) से नंदा ब्रह्मणे, खरगौन से बालकृष्ण पाटीदार, गंधवानी (अजजा) से सरदार सिंह मेड़ा 10वीं पास हैं। वहीं विजयपुर से बाबूलाल मेवरा, ग्वालियर दक्षिण से नारायण सिंह कुशवाह, डबरा (अजा) से इमरती देवी, कोलारस से महेंद्र यादव, मुंगावली से बृजेंद्र सिंह यादव, बीना (अजा) से महेंद्र राय, चांदला (अजा) से दिलीप अहिरवार, बिजावर से राजेंद्र शुक्ला, गुन्नौर (अजा) से राजेश कुमार वर्मा, देवसर (अजा) से राजेंद्र मेश्राम, जैतपुर (अजजा) से जय सिंह मरावी, मंडला (अजजा) से संपतिया उईके, बैहर से भगवत सिंह नेताम, गोटेगांव (अजा) से महेंद्र नागेश, भैंसदेही (अजजा) से महेंद्र सिंह चैहान, पिपरिया (अजा) से ठाकुरदास नागवंशी, राजगढ़ से अमर सिंह यादव, मंधाता से नारायण पटेल, खंडवा (अजा) से कंचन मुकेश तन्वे, इंदौर-2 से राकेश गोलू शुक्ला, राऊ से मधु वर्मा, तराना से ताराचंद गोयल, मैहर से श्रीकांत चतुर्वेदी, खिलचीपुर से हजारीलाल दांगी सहित 24 प्रत्याशी 12वीं पास हैं।

सात प्रत्याशी पीएचडी धारक

इस बार विधानसभा चुनाव में सात प्रत्याशी पीएचडी धारक है। इनमें अटेर से डॉ. अरविंद भदौरिया, दतिया से डॉ. नरोत्तम मिश्रा, पृथ्वीपुर से डॉ. शिशुपाल यादव, जबलपुर उत्तर से अभिलाष पांडे, नागदा खाचरोद से डॉ. तेज बहादुर सिंह, उज्जैन दक्षिण से डॉ. मोहन यादव, आलोट (अजा) से चिंतामणि मालवीय।

कॉलेज तक यह पहुंचे

चाचैड़ा से प्रियंका मीणा,नरयावली (अजा) से प्रदीप लारिया, जतारा (अजा) से हरिशंकर खटीक, त्यौंथर से सिद्धार्थ तिवारी, मनगंवा (अजा) से नरेद्र प्रजापति, रीवा से राजेंद्र शुक्ल, चुरहट से शरदेंदु तिवारी, बांधवगढ़ (अजजा) से शिवनारायण सिंह, वारासिवनी से प्रदीप जायसवाल, कटंगी से गौरव पारधी, लखनादौन (अजजा) से विजय उईके, नरेला से विश्वास सारंग, आष्टा (अजा) से गोपाल सिंह, मनावर (अजजा) से शिवराम कनौजे, मनासा से अनिरुद्ध मारू, उदयपुरा से नरेंद्र शिवाजी पटेल ने इंजीनियर की है। आमला से डॉ. योगेश पंडाग्रे, होशंगाबाद से डॉ. सीतसरण शर्मा, बिछिया (अजजा) से डा. आनंद विजय मरावी, सांची (अजा) से डॉ. प्रभुराम चौधरी डॉक्टर (एमबीबीएस) हैं। वहीं 36 प्रत्याशी वकील (एलएलबी) हैं।

कर्मचारियों ने डाले पोस्टल बैलेट

भोपाल। जिले में 9018 कर्मचारियों की चुनाव में ड्यूटी लगाई गई है, जिसकी वजह से यह कर्मचारी अपने मतदान केंद्र पर जाकर मतदान नहीं कर सकेंगे। इनके लिए एमबीएम और एमएलबी कॉलेज में चुनावी ट्रेनिंग के साथ पोस्टल बैलेट से मतदान करने की व्यवस्था की गई है। चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के पोस्टल बैलेट सोमवार से शुरू हो गए। पुलिस कर्मियों की वोटिंग के लिए लाल परेड ग्राउंड पर गुरुवार और शुक्रवार को वोटिंग की व्यवस्था की है। चुनाव ड्यूटी में शामिल पुलिसकर्मी वोट डालेंगे। पहले दिन 1612 कर्मचारियों ने पोस्टल बैलेट से मतदान किया। जिले के 1554 सर्विस वोटर्स को भी इलेक्ट्रॉनिक पोस्टल बैलेट जारी कर दिए गए हैं। यह लोग देश में जहां भी तैनात हैं वहां से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कर सकेंगे। मंगलवार और बुधवार को भी कर्मचारी मतदान कर सकेंगे।

सुविचार

`` जीवन में प्रयास सदैव कीजिए, लक्ष्य मिले या अनुभव दोनो ही अमूल्य हैं।''

-अज्ञात

संपादकीय

क्या सही दिशा में हैं योजनाएं

विधानसभा चुनाव के लिये प्रचार के दौरान नया मोड गरीबों को मुफ्त राशन देने वाली योजना के समय विस्तार से आ गया है। हालांकि यह योजना दिसंबर तक प्रभावशील ही थी,लेकिन मप्र और छत्तीसगढ़ में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह ऐलान महत्वपूर्ण है। इन राज्यों में कांग्रेस ने इस पर आश्चर्य जताया है। उसने तो यह भी कहा कि कांग्रेस की यूपीए सरकार के समय जो खाद्य सुरक्षा की योजना लाई गई थी, उसका नाम बदलकर भाजपा की मोदी सरकार इसे चला रही है। इधर मोदी ने कई सभा में कहा है कि अन्न योजना अगले पांच साल तक जारी रहेगी। खुद प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में भी याद दिलाया कि यह योजना कोविड-19 महामारी से उपजे चुनौतीपूर्ण हालात के मद्देनजर शुरू की गई थी। उस वक्त सख्त लॉकडाउन के कारण न केवल बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका छिन गई थी बल्कि उनके लिए नया काम ढूंढने या शुरू करने लायक हालात भी नहीं थे। ऐसे में यह संकट खड़ा हो गया था कि करोड़ों लोगों के घर में सुबह शाम चूल्हा कैसे जलेगा और वे अपने परिवार के लिए खाने का बंदोबस्त कैसे करेंगे। जाहिर है, उस स्थिति में दूरगामी नतीजों की चिंता किए बगैर नागरिकों को जीवन रक्षा के साधन मुहैया कराना सरकार के लिए पहली प्राथमिकता थी और इसकी जरूरत भी। राजनीतिक दल ही नहीं, इकॉनमिक एक्सपर्ट्स भी तब उस तरह की नीति की वकालत कर रहे थे। हालांकि सीमित रूप में जरूरतमंदों को आसानी से भोजन उपलब्ध कराने की सरकारी योजनाएं पहले भी चल रही थीं कि लेकिन इस योजना की बदौलत लोगों को मिलने वाला राशन दोगुना हो गया था। इस मायने में योजना को पूरी तरह सफल भी कहा जा सकता है कि कोरोना महामारी की पहली, दूसरी और तीसरी लहरों के बीच भी देश के किसी हिस्से में भुखमरी के हालात बनने की खबरें नहीं आईं। बाद में जैसे-जैसे स्थितियां सुधरीं और कामकाज सामान्य रूप लेने लगा, इस योजना को जारी रखने की जरूरत पर भी सवाल उठने लगे। लोगगों को मुफ्त अनाज सप्लाई करने के बदले सरकार का जोर अब उन्हें रोजगार के अच्छे मौके उपलब्ध कराने पर जोर देने की मांग होने लगी थी लेकिन केंद्र ने 2023 की एक जनवरी से इसे फिर एक साल के लिए बढ़ा दिया था। उस फैसले के मुताबिक इस साल दिसंबर में यह योजना समाप्त हो जाने वाली थी। मगर प्रधानमंत्री की ताजा घोषणा से तय हो गया कि गरीबों को मुफ्त राशन देने की यह योजना हाल फिलहाल समाप्त होने वाली नहीं है। ध्यान रहे, सरकार के ही मुताबिक इस एक साल के दौरान इस योजना के कारण उसका फूड सब्सिडी खर्च 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बैठा है और, पीएम ने यह योजना एक साल के लिए नहीं बल्कि पांच साल के लिए बढ़ाने की घोषणा की है। तो सवाल उठता है कि जब कोविड महामारी समाप्त हो चुकी है, इकॉनमी उस चुनौती से उबर चुकी है और देश विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ने लगा है तब भी देश की करीब 60 फीसदी आबादी यानि करीब अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त भोजन देने की जरूरत पड़ रही है तो यह भी सवाल उठता है कि सरकारी नीतियां सही दिशा में चल भी रही हैं? जाहिर है कि इस ऐलान से सियासी निहितार्थ पैदा हो गये हैं। पांच राज्यों में भाजपा को सख्त चुनौती है तो इन चुनावों के तीन महीने बाद केंद्र की मोदी सरकार को लोकसभा चुनाव में उतरकर जनता की कसौटी पर खरा साबित होने की चुनौती है।

निशाना

कुनबा हमें बढ़ाना !

-कृष्णेन्द्र राय

करते उनका स्वागत ।
है पूरा सम्मान ।।
आएं सपरिवार ।
रख रहे हम ध्यान ।।
इसलिए मौजूद हैं ।
सबसे हाथ मिलाना ।।
है कोशिश हमारी ।
कुनबा हमें बढ़ाना ।।
पूरी जिम्मेदारी है ।
है उसका ख़याल ।।
है असर दिखाना ।
अब हमको हर हाल ।।
है पूरी तैयारी ।
कुछ भी अब कर जाना ।।
करनी है जब वापसी ।
मिल कर क़दम बढ़ाना ।।

आज का इतिहास

- 2008 में आज ही के दिन कश्मीर के प्रसिद्ध कवि रहमान राही को ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया गया था।
- 2008 में 7 नवंबर के दिन ही बिहार के जनतादल (यूनाइटेड) के लोकसभा सदस्यों ने अपने पद से इस्तीफ़ा दिया था।
- 2006 में आज ही के दिन भारत और आसियान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास के लिए एक फंड बनाने पर सहमत हुए थे।
- 2003 में 7 नवंबर के दिन ही राष्ट्रपति चंद्रिका कुमारतुंगा ने श्रीलंका में आपातकाल की घोषणा वापस ली थी।
- 1998 में आज ही के दिन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने भारत और पाकिस्तान पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने की घोषणा की थी।
- 1996 में 7 नवंबर के दिन ही अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मार्स ग्लोबल सर्वेयर का प्रक्षेपण किया था।
- 1968 में आज ही के दिन तत्कालीन सोवियत संघ ने न्यूक्लियर टेस्ट किया था।
- 1944 में 7 नवंबर के दिन ही फ्रैंक्लिन डी रूज़वेल्ट चौथी बार संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति नियुक्त किए गए थे।
- 1876 में आज ही के दिन बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय ने बंगाल के कांतल पाडा नामक गांव में वंदे मातरम् गीत की रचना की थी।
- 1954 में आज ही के दिन साउथ के सुपर स्टार भारतीय अभिनेता कमल हसन का जन्म हुआ था।
- 1936 में 7 नवंबर के दिन ही प्रसिद्ध भारतीय कवि एवं साहित्यकार चंद्रकांत देवताले का जन्म हुआ था।
- 1888 में आज ही के दिन वैज्ञानिक चंद्रशेखर वेंकट रामन का जन्म हुआ था।
- 1867 में 7 नवंबर को ही विख्यात भौतिकविद और रसायनशास्त्री मेरी क्युरी का जन्म हुआ था।

बागी एवं बगावती होते टिकट वंचित नेता

ललित गर्ग

पांच राज्यों के विधानसभा से पहले अनेक राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं के बीच बड़ी ऊंठापटक, खींचतान एवं चरित्रगत बदलाव देखने को मिल रहे हैं। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस ही आमने-सामने की स्थिति में है, लेकिन टिकट बंटवारे को लेकर इन दोनों ही दलों में दोनों ही राज्यों में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। दोनों ही दलों में अपने आपको पार्टी का सर्वेसर्वा मानने वाले नेताओं की इस बार टिकट बंटवारे में दाल नहीं गली और वे अपने चेहतों को टिकट देने में नाकाम साबित हुए, जिससे दोनों ही दलों में भारी असंतोष एवं विद्रोह देखने को मिल रहा है। प्रदेश के शीर्ष नेताओं को भी टिकट न मिलने से बागी एवं बगावती स्वर उभर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि क्या अब चुनाव का टिकट पाना या उसका कटना ही नेताओं के जीवन-मरण का प्रश्न बन गया है? क्या पार्टी के प्रति बफादारी का गुब्बारा एक टिकट न मिलने की सूई से ही हवा शून्य हो गया है? एक प्रश्न और है कि टिकट क्या किन्हीं नेताओं की बपौती है, फिर बाकी कार्यकर्ताओं का क्या वजूद है जो सालों से पार्टी के लिये जी-जान लगाये होते है? क्या राजनीति अब सबसे ज्यादा लाभ और रौब का धंधा बन चुकी है? लोकतंत्र में जब मूल्य एवं सिद्धान्त कमजोर हो जाते है और सिर्फ निजी हैसियत को ऊंचा करना ही महत्वपूर्ण हो जाता है वह लोकतंत्र निश्चित रूप से कमजोर हो जाता है।

अफसोस, कि जिस जन की सेवा के लिए चुनाव टिकट रूपी एंट्री पास तैयार किया गया है, वह 'जन' पहले भी हतप्रभ था, आज भी है और शायद आगे भी रहेगा। क्योंकि आम मतदाता तो पहले भी ठगा जाता था, गुमराह किया जाता था। आज भी उसके साथ यही हो रहा है? टिकट की दौड़ के लिये सक्रिय होने एवं पांच साल में केवल चुनाव के समय नजर आने वाले उम्मीदवारों को दोनों पार्टियों ने टिकट न देकर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। राजनीति में ऐसे ही साहसिक एवं अभिनव प्रयोग की अपेक्षा है, ताकि राजनीति में प्रतिनिधित्व की पात्रता किन्हीं सीमित हाथों से बाहर आये एवं नये चेहरों को अपना हूनर दिखाने का अवसर मिले।

राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन के आखिरी दिन अनेक चेहरों को निराशा हाथ लगी है। भाजपा की आखिरी लिस्ट आ चुकी है, लेकिन इस लिस्ट में केंद्रीय नेतृत्व ने वसुंधरा राजे को किनारे कर दिया है। भाजपा ने इस बार वसुंधरा राजे के कई समर्थकों के टिकट काट दिए हैं। इनमें अशोक परनामी, अरूण चतुर्वेदी प्रमुख है और दोनों नेता ऐसे है जो पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष भी रह चुके है। इनके साथ ही पूर्व मंत्री एवं राजे के खास यूनुस खान का भी टिकट काट दिया गया है। राजपाल सिंह शेखावत और राव राजेन्द्र का टिकट भी पार्टी ने काट दिया है। कांग्रेस में भी ऐसे अनेक महत्वपूर्ण चेहरों को निराशा हाथ लगी है। टिकट न मिलने से पार्टी के इन वफादार सैनिकों के स्वरों में भी बगावत देखने को मिल रही है। निश्चित ही दोनों ही दलों में टिकट बंटवारे में आजमाये इन नये प्रयोगों का व्यापक असर देखने को मिलेगा। राजस्थान के अनेक राजनीतिक विश्लेषकों से चर्चा से यह तथ्य भी सामने आया है कि दलों में हो रहे इन बदलावों का नकारात्मक ही नहीं, सकारात्मक परिणाम भी सामने आयेगा।

चुनाव के समय राजनीतिक दलों में टिकट वितरण को लेकर असंतोष होना स्वाभाविक है। जो राजनीतिक कार्यकर्ता वर्षों मेहनत करे और टिकट वितरण के समय उसे दरकिनार कर दूसरे या किसी आयातित व्यक्ति को टिकट दे दिया जाए तो राजनीति में निष्ठा और समर्पण का पैमाना अपने आप ध्वस्त होने लगता है। वैसे भी हर पार्टी में एक सीट पर टिकट के एक से अधिक आकांक्षी होते हैं। दलों की संवैधानिक मर्यादा एवं सीमाएं हैं कि वे चुनाव में किसी एक को ही टिकट दे सकती हैं। ऐसे में बाकी को या तो पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार का समर्थन करना होगा या फिर दूसरे किसी दल से टिकट लेकर अथवा निर्दलीय चुनाव में खड़ा होना होगा। टिकट न मिलने वालों को अपनी नाराजगी प्रकट करने का अधिकार है, वे चाहे तो पार्टी हाई कमान और टिकट वितरणकर्ताओं के सामने खुलकर अपनी नाराजगी का प्रदर्शन कर मन को हल्का करे या अनैतिक विकल्प के तौर पर पार्टी में रहकर ही भीतरघात कर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हरवाकर अपनी उपेक्षा का बदला ले और अगले चुनाव में अपनी उम्मीदवारी का खाता खुला रखे।

राजस्थान में ऐसे ही सीन बन रहे हैं, अब विरोध के प्राचीन तरीकों जैसे कि नारेबाजी, धरना प्रदर्शन से मीलों आगे जाकर शीर्ष नेताओं के घरों के सामने आत्मदाह करने, पार्टी दफ्तरों पर हमले, नेताओं के कपड़े फाड़ने, हाथापाई, सामूहिक इस्तीफे और टिकट कटने के बाद मातमी अंदाज में जार-जार आंसू बहाने की स्थितियां समाप्त हो गयी है। अब तो पार्टियों में विरोध प्रदर्शन का सबसे सशक्त हथियार निर्दलीय चुनाव लड़ना या भीतरघात करना ही देखने को मिल रहा है। मानो सभी दलों में अनुशासनहीनता और अराजकता की एक अघोषित स्पर्द्धा चल रही हो, जिसमें हर असंतुष्ट अपने गिरोह के साथ दूसरे को पीछे छोड़ने की दबंगई में लगा है। ऐसा नहीं है कि आला नेताओं को कार्यकर्ताओं के इस तरह उग्र अथवा बागी होने का अंदाजा न हो। लेकिन पार्टियां चुनाव का टिकट बांटती हैं तो टिकट देने और टिकट काटने के उसके अपने पैमाने होते हैं। उनकी अपनी सीमाएं भी होती है।

टिकट बंटवारे में आलाकमान बहुत बारीकी से निर्णय लेता है, महीनों तक भीतर-ही-भीतर योग्य उम्मीदवार की पात्रता के संबंध में पार्टी की चलने वाली गंभीर विश्लेषण-जांच एवं अनुसंधान की गहरी भूमिका होती है, अब कोई धमक, सेवा एवं पैसा काम नहीं आता। यहां तक बड़े नेताओं के निजी संबंध भी अब कारगर नहीं रहे। एक-एक पात्र उम्मीदवार पर हर कोण से गंभीर रिपोर्ट तैयार होती है और वही टिकट बंटवारे का माध्यम बनती है। इसलिये अब बगावत एवं विद्रोह के उतने नुकसान भी नहीं देखने को मिलते, जितने पहले हुआ करते थे। पार्टी हित में शीर्ष नेतृत्व ऐसे बगावती स्वरों को शांत करने की पूरी कोशिश करता है। राजस्थान में अनेक टिकट वंचित उम्मीदवार छोटे दलों के टिकट पर या निर्दलयी चुनाव मैदान में उतरने का एलान कर चुके हैं। हालांकि, नाराजों को बिठाने और चुप कराने के लिए दोनों दलों में बड़े नेता साम-दाम-दंड-भेद सभी तरीके अपनाने में लगे हैं। लेकिन राजनीतिक कार्यकर्ता यह बखूबी जानता है कि बड़े नेताओं द्वारा उससे किए वादे भी ज्यादातर चुनावी वादों की तरह खोखले अथवा आधे-अधूरे होते हैं। साथ में यह भी सच है कि बड़े दलों में अब वो ऋषि एवं कद्दावर राजनेताओं का अभाव है, जिनके इशारों पर आक्रोश एवं विद्रोह शांत हो जाते थे। ऐसे दिग्गज नेताओं का नैतिक प्रभाव खत्म होने के बाद आजकल कार्यकर्ताओं को मनाने का फार्मूला मोटे तौर पर अगले चुनाव में टिकट के वादे, सत्ता में आने पर किसी पद की रेवड़ी, या फिर बात-बेबात उसकी पीठ थपथपाने, मंच से तारीफ के दो शब्द कहकर भावनात्मक शोषण करने या फिर धन के रूप में ही देखने को मिल रहा है।

लेकिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ा सवाल तो राजनीति में बुनियादी नैतिकता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों का है? लोकतंत्र में चुनाव टिकट की आकांक्षा रखना स्वाभाविक है, लेकिन उसे जीने-मरने का सवाल बना देना या उसे विसंगतियों एवं विडम्बनाओं का शिखर बना देना क्या संदेश देता है? दरअसल राजनीतिक व्यवस्था मूलतः लोकतंत्र को चलाने और इस तंत्र के असल मालिक लोक के जीवन को सुचारु और समृद्ध बनाने के लिए है, लोकतांत्रिक माफिया बनने के लिए तो कत्तई नहीं है। लेकिन दुर्भाग्य से आजादी के अमृत काल में यह कड़वा सच है कि राजनीति अब अधिकांश लोगों के लिए शुद्ध रूप से चौतरफा लाभ का धंधा है। इसीलिए वो इसे छोड़ना तो दूर इसे पीढ़ी दर पीढ़ी कायम रखना चाहते हैं ताकि पावर, पैसा और प्रतिष्ठा की गंगोत्री सूख न सके।

मिठाई तो मिठाई है, उसका कोई मुकाबला ही नहीं

चॉकलेट बनाम मिठाई युद्ध और दीपावली

एक अनुमान के अनुसार भारतीय मिठाई बाजार साठ से पैंसठ हजार करोड़ रूपए का है। मेरे अपने आकलन के अनुसार यह एक लाख करोड़ से ऊपर का है। जाहिर है पश्चिम की बहुराष्ट्रीय कंपनियों विशेषतः नैस्ले, कडबरीज आदि की निगाह इसे हथियाने में हैं। उनकी शुरूआत ही धमाकेदार हुई और उन्होंने टीन एजर्स में चॉकलेट्स को एक स्टेटस स्टैण्डर्ड बना दिया है। संभव है नई पीढ़ी के स्वाद तंतुओं में गहराई तक पैठ गई हो लेकिन भारतीय मिठाईयां हमारे सांस्कृतिक डीएनए में बैठी हुई हैं जो हमें हमारे देवताओं से जोड़ती हैं। आप कुछ भी कर लें गणपति बप्पा को मोदक और लड्डू ही पसंद आवेंगे। कान्हा की नगरी कान्हा जी का भोग पेड़ों और माखन-मिश्री से ही लगावेगी। बंगाल और ओडिसा रसगुल्ले को जगन्नाथ जी का प्रसाद ही मानेंगे।

केवल जीवन के त्योहारों में ही नहीं मृत्यु के उत्सव तेरहवीं में हमारे पूर्वज अपने प्राचीनतम आर्य मिष्ठान्न-तसमई और मालपूआ से ही तृप्त होते हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियां देवों से संरक्षित इन मिठाइयों से भला कैसे पार पावें? तो उन्होंने अपना घृणित खेल शुरू किया। नकली मावे की दुकानों पर मिठाइयों की चेकिंग व छापे बढ़ जाते हैं.. दीपावली के समय। निःसंदेह कुछ दुकानदार व प्रतिष्ठान हिंदुओं के विश्वास व स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते भी हैं, परंतु प्रश्न यह उठता है कि रुटीन चैकिंग न होकर यकायक दीवाली पर ही क्यों? ऐसे में मावे के प्रति संदेहशील मिष्ठान्नप्रेमियों को सोनपापड़ी ने एक विकल्प उपलब्ध कराया हुआ है और जिसे लंबे समय तक रखा भी जा सकता है, जिससे बौखलाकर उसके प्रति इस तरह का नकारात्मक प्रचार अभियान इन चॉकलेट कंपनियों द्वारा चलाया जा रहा है। मतलब साफ है, पहले मावे की मिठाइयों के बाद अब सोनपापड़ी सहित अन्य घी की मिठाइयों को मार्केट से बाहर कर चॉकलेट का साम्राज्य एक लाख करोड़ के बाजार पर जमाना उनका उद्देश्य है।

जहाँ तक सोनपापड़ी का प्रश्न है, जो लोग सोनपापड़ी के नाम पर नाक-भों सिकोड़ते हैं उन्हें सोनपापड़ी खाना आता ही नहीं। सोनपापड़ी दांतों से रोंथकर भकोसने वाली मिठाई नहीं है, बल्कि शांति से जिव्हा पर रखकर उसके रेशे दर रेशे को घुलते महसूस करते हुए, धीरे-धीरे कंठ को सिक्त करते हुए नीचे उतारने वाली मिठाई है। यह मिठाइयों के बीच उसी तरह है, जैसे मदिराओं के बीच द्राक्षा की बनी कापिशेयी। और अगर फिर भी आपको सोनपापड़ी पसंद नहीं आ रही और उसके डिब्बे को देख नाक-भों सिकोड़ें तो निश्चित मानिये आप नवधनाढ्य नकचढ़े क्लब के नए सदस्य बन चुके हैं। इसी बीच अगर पुप जी.. अरे वही मुगलिया खानसामेदार पुष्पेश पंतजी सोनपापड़ी के सोन को फारसी शब्द सोहन बताकर, इसकी फारसी उत्पत्ति बखानें तो इसका तत्सम शब्द स्वर्ण पर्पटी बताते हुए उनकी कनपटी के अंदर एक पीस ठूँस देना। तो मित्रो, अपने खांटी देशी और मात्र हिंदू हलवाई से शुद्ध घी की बनी स्वर्ण पर्पटी शान से खरीदें, माता लक्ष्मी को भोग लगाएं और ऊपर वर्णित विधि से आराम से स्वाद लें। और हां, कैडबरीज, नैस्ले को बाहर का रास्ता दिखाएं, क्योंकि माता लक्ष्मी को कड़वी चीजें पसंद नहीं। बच्चे.. आल्सो टू मच लाइक चॉकलेट बट मिठाई तो मिठाई ही है, उसका मुकाबला कोई है ही नही।।

साभार : केके अग्निहोत्री की फेसबुक वॉल से

दूसरे दिन 857 मतदानकर्मियों ने किया मतदान

अब तक कुल 1444 मतदान कर्मियों ने किया मतदान

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

आगामी विधानसभा निर्वाचन के लिए मतदान कर्मियों की मतदान प्रक्रिया 5 नवंबर से 9 नवंबर तक चारों विधानसभाओं के प्रशिक्षण स्थल पर बनाए गए मतदान सुविधा केंद्र पर संपन्न की जाएगी। हर विधानसभा में 4 डाक मतपत्र मतदान सुविधा केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें होशंगाबाद, पिपरिया, सिवनीमालवा और सोहागपुर के मतदान कर्मी मतदान कर सकेंगे।

नोडल डाक मतपत्र एवं सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम संपदा सराफ ने बताया कि दूसरे दिन 6 नवंबर को कुल 857 मतदान कर्मियों ने मतदान किया है। होशंगाबाद में 530, पिपरिया में 130, सोहागपुर में 112 और सिवनीमालवा में 85 मतदान कर्मियों ने मतदान किया है। जिले में अब तक कुल 1444 मतदान कर्मियों द्वारा मतदान किया गया। होशंगाबाद में 858, पिपरिया में 239, सोहागपुर में 239 और सिवनीमालवा में 159 मतदान कर्मियों ने मतदान किया है।

अतिरिक्त 5 प्रतिशत ईवीएम मशीनों का प्रथम सप्लीमेंट्री रेण्डमाईजेशन संपन्न

57 बैलेट यूनिट, 57 कंट्रोल यूनिट एवं 66 वीवीपीएटी मशीनों का आवंटन

राजनैतिक दलों की उपस्थिति में की गई पूरी प्रक्रिया

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए अतिरिक्त 5 प्रतिशत ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी का प्रथम सप्लीमेंट्री रेण्डमाईजेशन सोमवार को जिला कार्यालय के रेवा सभाकक्ष में किया गया। जिसमें 57 कंट्रोल यूनिट और बैलेट यूनिट तथा 66 वीवीपीएटी मशीनों का विधानसभाओं का आवंटन किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह तथा राजनैतिक दलों की उपस्थिति में समस्त प्रक्रिया संपन्न की गई। जिसमें एफएलसी ओके मशीनों को निर्वाचन आयोग के ईएमएस सॉफ्टवेयर पर विधानसभावार आवंटन किया गया।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में 16 अक्टूबर को कुल 1187 मतदान

केंद्रों के लिए 1371 बैलेट यूनिट, 1371 कंट्रोल यूनिट एवं 1481 वीवीपीएटी मशीनों का आवंटन किया गया था। जो कि 115 प्रतिशत था। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 120 प्रतिशत ईवीएम मशीनों का रेंडमाइजेशन किया जाना है, जिसके परिपालन में सोमवार को 5 प्रतिशत अतिरिक्त ईवीएम मशीनों का प्रथम सप्लीमेंट्री रेंडमाइजेशन कर विधानसभाओं को आवंटन किया गया। जिसमें सिवनीमालवा विधानसभा को 14 कंट्रोल यूनिट, 14 बैलेट यूनिट तथा 17 वीवीपीएटी , होशंगाबाद विधानसभा को 13 कंट्रोल यूनिट,13 बैलेट यूनिट और 15 वीवीपीएटी , सोहागपुर विधानसभा को 16 बैलेंस यूनिट और 16 कंट्रोल यूनिट तथा 17 वीवीपीएटी तथा पिपरिया विधानसभा को 14 कंट्रोल यूनिट और 14 बैलेट यूनिट तथा 17 वीवीपीएटी का आवंटन किया गया।

ईव्हीएम मशीनों के रेण्डमाईजेशन उपरांत जिले के तवा भवन परिसर स्थित ईव्हीएम वेयरहाउस को राजनैतिक दलों की उपस्थिति में खोला जाकर विधानसभा क्षेत्रवार मतदान के लिए आवंटित ईव्हीएम मशीनों (बी0यू0 / सी0यू0 / व्हीव्हीपीएटी) का भौतिक चिन्हांकन कर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं पर्याप्त पुलिस बल की अभिरक्षा में सील्ड ट्रंक वाहन द्वारा विधानसभा स्तरीय ईव्हीएम स्ट्रांग रूम में स्थानांतरित किये जाने की कार्यवाही की गई। रेण्डमाईजेशन की संपूर्ण कार्यवाही के दौरान सीईओ उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह , नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे ,कार्यपालन यंत्री कुबेर सिंह मिर्धा, डीआईओ मनीष गुणवान, निर्वाचन सुपरवाइजर कैलाश दुबे सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि ,सभी रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी उपस्थित रहे।

बुजुर्गों को घर जाकर कराया मतदान

नर्मदापुरम। आगामी विधानसभा निर्वाचन के लिए जिले में 6 नवंबर को दिव्यांग और 80 प्लस आयु के वृद्ध मतदाताओं के मतदान प्रक्रिया प्रारंभ हुई। जिले के चारों विधानसभाओं में मतदान दल, माइक्रो आब्जर्वर के साथ घर पहुंच मतदान सुविधा की सहमति देने वाले मतदाताओं के घर पहुंचे और उनका मतदान कराया। वृद्ध और दिव्यांग मतदाताओं का घर पहुंच मतदान 6 नवंबर से 8 नवंबर तक किया जाएगा। 9 नवंबर को केवल ऐसे मतदाताओं जो किसी कारण छूट गए हैं,उनका मतदान घर पर जाकर कराया जाएगा।

मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण का प्रेक्षक सुहास एस ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक सुहास एस ने सोमवार को सोहागपुर और पिपरिया में विधानसभा निर्वाचन सुव्यवस्थित, सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए द्वितीय चरण में पीठासीन अधिकारियों व मतदान अधिकारी क्रमांक 1, 2 व 3 को दिए जा रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया।

उन्होंने मास्टर ट्रेनर्स और मतदान दल के अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वीवीपैट और ईव्हीएम मशीन की सूक्ष्म व विस्तार से जानकारी रखें। ताकि विधानसभा निर्वाचन सुव्यवस्थित, शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न संपन्न कराया जा सके। विधानसभा निर्वाचन में पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारियों का महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए ईवीएम संबंधी बारीकी से जानकारी जरूरी है। मास्टर ट्रेनर्स ने मतदान दलों को सामग्री वितरण, मतदान दिवस के दिन एजेंट अभिकर्ता की उपस्थिति, माकपोल प्रदर्शन, माकपोल की घोषणा, बीयू, सीयू, वीवीपैट के संबंध में जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान सोहागपुर में रिटर्निंग अधिकारी बृजेन्द्र रावत और पिपरिया में रिटर्निंग अधिकारी संतोष कुमार तिवारी उपस्थित रहे।

फोटोयुक्त 12 दस्तावेजों में से कोई एक दिखाकर भी मतदाता कर सकेंगे मतदान

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी निर्वाचन क्षेत्रों में सभी मतदाताओं को, जिन्हें फोटो पहचान पत्र जारी किया गया है, उन्हें आगामी 17 नवम्बर को मतदान से पहले मतदान केंद्र पर अपनी पहचान के लिए फोटो पहचान पत्र अर्थात ईपिक प्रस्तुत करना होगा। वे मतदाता, जो फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह

ने मतदाताओं से अपील की है कि वे मतदान के दिन ईपिक कार्ड या अन्य वैकल्पिक 12 दस्तावेजों में से कोई एक पहचान पत्र अवश्य लेकर जाएं ताकि मतदान के दौरान कोई परेशानी न हो।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान ईपिक नहीं होने पर इन 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र अथवा राज्य सरकार अथवा पीएसयू अथवा सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक अथवा डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों, विधायकों को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी में से कोई एक दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकेंगे।

मेट्रो एंकर | मतदान कर्मियों से मतदान संबंधी प्रश्न पूछे

कलेक्टर और एसपी ने प्रशिक्षण स्थल एवं मतदान सुविधा केंद्र का किया निरीक्षण

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने सोमवार को सिवनीमालवा और होशंगाबाद विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण कर यहां संचालित मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण एवं मतदान सुविधा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी मतदान कर्मियों को मतदान संबंधी सभी बारीकियों के बारे में अच्छे से जानकारी देने के निर्देश मास्टर ट्रेनर्स को दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि मतदान कर्मियों के डाक मत पत्र से मतदान के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का गंभीरता से पालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान

कर्मियों से ईवीएम और मतदान संबंधी प्रश्न भी पूछे। निरीक्षण के दौरान रिटर्निंग अधिकारी आशीष पांडे एवं सिवनीमालवा में रिटर्निंग अधिकारी प्रमोद गुर्जर मौजूद रहे. जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने बताया की 17 नवंबर को होने वाले मतदान के संबंध में मतदान दलों को दूसरा प्रशिक्षण 5 नवंबर से 9 नवंबर तक दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मतदान दल बनाए जा चुके है, जो विधानसभा में मतदान कराएंगे। जो मतदान कर्मी 17 नवंबर को मतदान करायेंगे, वे उस दिन वोट नहीं डाल पाएंगे। इसके लिए चारों विधानसभाओं के प्रशिक्षण केंद्र में डाक मतपत्र मतदान सुविधा केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें मतदान कर्मी पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपनी विधानसभा के लिए मतदान कर रहे हैं। डाक मत पत्र सुविधा केंद्र 5 नवंबर से 9 नवंबर तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे वृद्ध और दिव्यांग मतदाता जिन्होंने घर पहुंच मतदान सुविधा के लिए सहमति दी थी, उनका भी 6 नवंबर से 8 नवंबर तक मतदान दलों द्वारा घर पर जाकर मतदान कराया जा रहा है। 9 नवंबर को केवल किसी कारणवश मतदान से छूटे मतदाताओं को घर पहुंच मतदान सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। सोमवार को आयोजित प्रशिक्षण में मतदान कर्मियों को ईवीएम मशीन का हैंड्स ओंन प्रशिक्षण भी दिया गया तथा दिखावटी मतदान के बारे में भी बताया गया। ईवीएम मशीन का संचालन की प्रक्रिया मार्कपोल एवं पीठासीन अधिकारी द्वारा घोषणा पत्र तथा रिपोर्ट के फार्म के साथ ही मत पत्र लेखा एवं अन्य विभिन्न प्रपत्रों को भरना भी प्रशिक्षण में बताया गया। प्रशिक्षण पीपीटी के माध्यम से भी दिया गयाद्य पीठासीन अधिकारी की पुस्तिका भी प्रदान की गई। हर विधानसभा के प्रशिक्षण स्थल पर सभी विधानसभा होशंगाबाद , पिपरिया सोहागपुर एवं सिवनी मालवा के कर्मचारियों ने पोस्टल बैलट के माध्यम से मताधिकार का उपयोग किया। प्रशिक्षण के अंत में सभी मतदान कर्मियों से प्रश्न पत्र हल करवाया गया।

वार्डों में हो रहा सघन जनसम्पर्क-रिकॉर्ड जीत के लिए लगा रहे एड़ी चोटी का जोर, कांग्रेस भी सक्रिय

भाजपा को जिताने के लिए घर-घर पहुँच रहे कार्यकर्ता

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

जैसे जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है वैसे वैसे भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ता दिखाई दे रहा है। शहरी क्षेत्र में प्रचार की कमान भाजपा के वरिष्ठ एवं युवा नेताओं ने संभाल रखी है तो वही ग्रामीण क्षेत्रों में सेक्टर प्रभारी व ग्रामीण कार्यकर्ता भाजपा के झंडे तले घर घर जाकर बीते चुनाव में मिली जीत के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए मेहनत कर रहे है।

नगर सिरोंज में प्रतिदिन भाजपा कार्यकर्ता दोपहर को एकत्रित होकर नगर के सभी वार्डो में

सामूहिक जनसम्पर्क कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का बखान कर घर घर पहुँचकर भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट अपील करते है। सोमबार को भाजपा कार्यकर्ताओं की टोली ने वार्ड सात नौ एवं दस में पहुँचकर जनसम्पर्क किया। इस प्रकार अभियान में शामिल वार्ड नौ के पार्षद जयनारायण सेन ने कहा कि भाजपा विचारधारा को लेकर काम करने वाली पार्टी है हमने जनता के विश्वास को जीतने का काम किया है। प्रधामनंत्री आवास ओर लाडली बहना योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक परिवार को सीधा लाभ हमारी सरकार ने देकर आम गरीब परिवार के जीवन स्तर को उठाने का काम हमनें किया है। इस दौरान भाजपा नेता रमेश यादव हरिबाबू भार्गव,रिंकू सुमन, के साथ नेताओं ने जनसंपर्क किया।

उल्लेखनीय है कि इस बार का चुनाव भाजपा संगठन पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की गैरमौजूदगी में लड़ रही है। विगत तीन वर्ष पूर्व कोरोना के चलते उनका निधन हो गया था। ऐसे में अब जीत का दारोमदार भाजपा के नेताओ और कार्यकर्ताओं पर है। और वह खुद लक्ष्मीकांत शर्मा बनकर अपनी भूमिका को निभाते दिख भी रहे है। उनकी बेटियां भी ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में अपने पापा लक्ष्मीकांत शर्मा के सिरकंज लटेरी के विकास के लिए देखे लेकिन अधूरे रह गए सपनों को पूरा करने के लिए चाचा उमाकांत शर्मा को वोट देने की मार्मिक अपील कर रही है।

तो क्या कांग्रेस का परंपरागत वोट अब हाथ से खिसक रहा है

कांग्रेस नेताओं को नहीं सूझ रहा दूरियों को खत्म करने का उपाय

सईद खान, सिरोंज,दोपहर मेट्रो

मुसलमानों को कांग्रेस का पेटेंट वोटर माना जाता है लेकिन सिरोंज में बीजेपी ने कांग्रेस के इस वोटर पर सेंध मारी की है जिसमें कहीं हद तक भाजपा को सफलता भी मिली है यह खबर कांग्रेस के लिए चिंता पैदा कर रहा है। अगर हम पिछले नगर पालिका चुनाव की बात करें तो बीजेपी ने लगभग आधा दर्जन उन वार्डो पर जीत दर्ज की है जो मुस्लिम बहुल है और काफी लंबे समय से कांग्रेस के कब्जे में थे इस विषय पर जब मीडिया ने कांग्रेस के अल्पसंख्यक नेताओं से सवाल किया तो वह इसका संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए और छोटे चुनाव का हवाला दे दिया नगर पालिका चुनाव में मुस्लिम बहुल क्षेत्र से बीजेपी का जीतना यह साबित कर रहा है कि अब सिरोंज का मुस्लिम समाज कांग्रेस के हाथ को छोड़ भारतीय जनता पार्टी की तरफरुख कर रहा है वही भाजपा द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री आवास योजना लाडली बहन योजना और कन्यादान योजना जैसी योजनाओं से भी कांग्रेस को सीधा नुकसान पहुंच रहा है।

चुनावी प्रचार में अल्पसंख्यक नेता दरकिनार - मौजूदा विधानसभा चुनाव के प्रचार में कांग्रेस द्वारा अल्पसंख्यक नेताओं को दरकिनार किया जा रहा है जो काफी सवाल उत्पन्न कर रहा है चुनावी प्रचार हो या जनसभा या फिर जनसंपर्क ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है कि कांग्रेस के खेमे में मुस्लिम बहुत कम नजर आ रहे हैं। ज्ञात हो कि सिरोंज-लटेरी विधानसभा में लगभग 40 हजार मुस्लिम मतदाता जो कि

कांग्रेस के पक्ष में हमेशा अपना मत देते है, कांग्रेस काफी फायदा मिलता है।

परिवारवाद ना पड़ जाए भरी - क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार गगनेंद्र रघुवंशी का नाम सामने आने के तुरंत बाद से ही क्षेत्र में प्रचार के लिए गगनेंद्र का पूरा परिवार उतर गया है जहां एक और कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी की पत्नी जनपद पंचायत सदस्य पार्वती रघुवंशी जनसंपर्क कर रही है।

वहीं रघुवंशी के पुत्र पुत्रियां भी मैदान संभाले हुए हैं इतना ही नहीं यही स्थिति कमोबेश भारतीय जनता पार्टी में भी पहली बार देखने को मिल रही है जहां पूर्व मंत्री स्वर्गीय श्री लक्ष्मीकांत शर्मा की तीनों बेटियां चुनावी मैदान में है और अपने चाचा उमाकांत शर्मा के लिए बोट की अपील कर रही है चुनावी प्रचार के दौरान परियों को परिवारवाद सर दर्द नहीं बन जाए क्योंकि भाजपा से ज्यादा कांग्रेस के खेमे में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की ऊपेक्षा की सुगबुगाहट सुनाई दे रही है।

शाम को बढ़ गई ठंड गर्म वस्त्रों का लोग लेने लगे सहारा

सिरोंज । नगर में षाम होते होते ठंड ने अपने रूतबा दिखाना षुरू कर दिया है दीवापवली आते ही ठंड बडने लगी है और सर्दी ने दस्तक देना प्रारंभ कर दी है । वही ठंड से बचने के लिए लोगो ने गर्म वस्त्रो का सहारा लेना षुरू कर दिया है वही देखा जाए कि दीपावली आते आते ठंड और बडने के संकेत अभी से दिखाई देने लगे है ।

डाक मतपत्र की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु अधिकारी अधिकृत

विदिशा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव ने मतदान कर्मियों के द्वारा दिए जाने वाले डाक मत पत्र मतदान सुविधा केंद्र के सीबीएसई संचालन और मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया के लिए अधिकारियों को उत्तरदायित्व पर हैं जो प्रत्येक दिवस मतदान उपरांत मत पत्रों की जानकारी निर्धारित प्रारूप में संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर के माध्यम से जिला निर्वाचन कार्यालय को प्रेषित करेंगे।

कलेक्टर श्री भार्गव के द्वारा विधानसभा वार जानकारियां प्रेषित करने हेतु जिन अधिकारियों को अधिकृत रूप से दायित्व सौंप गए हैं उनमें विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 144 विदिशा के लिए विदिशा जनपद पंचायत के सीईओ श्री प्रमोद कुमार खरे को विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 145 बासौदा हेतु खंड स्रोत संबंधित श्री कपिल तिवारी को विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 146 कुरवाई के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारी कुरवाई श्री कमल सिंह बागड़ी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 147 सिरोंज के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज लटेरी के प्राचार्य श्री सुरेंद्र चौकसे तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 148 शमशाबाद के लिए नटेरन जनपद पंचायत सीईओ श्री जितेंद्र धाकड़े को उपरोक्त दायित्व सोपा गया है।

डेंगू के कहर को रोकने के लिए, फॉगिंग मशीन से कराया जा रहा है धुंआ

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

विकास खंड में तेजी से डेंगू पर पैर पसार रहा है फिर भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी कुंभकरण की नींद सो रहे हैं। इनके द्वारा शहर में जगह-जगह लग रहे कचरे के ढेरे से मुक्ति दिलाने के लिए तो कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है ।साथ ही अधिकांश नाले नालियां चौक पढ़ है।इस वजह से मैं मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है और डेंगू का लाव ही पनप रहा है । वही अपनी नाकामी छुपाने के लिए केवल मुख्य बाजार में फॉगिंग मशीन से दधुआ कर कर खाना पूर्ति कर दी गई इस तरह से औपचारिकता पूरी होने से डेंगू को बढ़ाने से नहीं रोका जा सकता है ।

मुख्य बाजार के साथ गलियों में भी विशेष रूप से साफ-सफाई कर कर डेंगू के लावा को नष्ट करने के लिए दवा का छिड़काव भी करना पड़ेगा तभी इसका असर रुकेगा नहीं तो आने वाले दिनों में डेंगू के और भी मरीज बढ़ाते हुए नजर आएंगे अव देखना है कि इसको रोकने के लिए जिम्मेदार क्या ठोस कदम उठाएंगे या नहीं।

मेट्रो एंकर दिन में दुकानदारी रात में पुताई और सफाई का काम

दीपावली को लेकर बाजार, घर में साफ-सफाई का दौर जोरों पर

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

किस राज्य को सब पर जोरदार व्यापार होने की उम्मीद सभी वर्ग के व्यापारी लगाए बैठे हुए हैं । त्यौहार से पहले इन दोनों साफसफाई का दौर सभी जगह देखने को मिल रहा है। घरों में सफाई के अलावा पुताई का काम चल रहा है तो व्यापारियों के द्वारा भी अपने प्रतिष्ठानों की सफाई व पुताई काम करवाया जा रहा है ।

इसी का परिणाम है कि इन दोनों पेंट की दुकानों पर भारी भीड़ देखने को मिल रही है ।जहां पर सुबह से लेकर देर रात तक कलर आदि खरीदने के लिए ग्राहकों का हुजूम लगा रहता है। सफाई भी हो जाए और व्यापार भी प्रभावित न हो उसके लिए भी कई दुकानदार दिन भर दुकानदारी करते हो रात में 8 बजे के बाद अपने प्रतिष्ठानों पर धुलाई के बाद उनकी पुताई और सफाई का काम करवाते हैं फिर दुकानदारी के लिए रात में ही सामान जमा लेते हैं ।जिससे कि इनकी दुकानदारी किसी की तरह से प्रभावित न हो इस बार अच्छी फसल आई है इसके चलते व्यापारी गण भी अच्छा व्यापार होने की उम्मीद लगाए बैठे हुए हैं। वैसे दीपावली पर हर सेक्टर में अच्छी दुकानदारी होती है सबसे ज्यादा व्यापार ऑटोमोबाइल से लेकर फोर व्हील टू व्हील इलेक्ट्रॉनिक सामान के साथ सोने चांदी का कपड़े की खरीदारी पर देखने को मिलता है ।इसके अलावा साज सज्जा से लेकर दीपोत्सव पर दीपों की मांग भी अधिक होती है जिसकी दुकान भी अभी से लगने लगी है।

इसके चलते हर सेक्टर में बड़ी मात्रा में स्टॉक करने का काम किया जा रहा है। ऑटो सेक्टर से लेकर इलेक्ट्रॉनिक आइटम से लेकर अन्य दुकानों पर दीपावली से संबंधित सामग्री का स्टाफ व्यापारी गाणो के द्वारा किया जा रहा हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में दीपावली पर गाय माता की विशेष पूजा होती है गौ माता को सजाया जाता है सिंगार किया जाता है दीपों से घरों को रोशन किया जाता है।। व्यापारियों ने बताया कि त्यौहार से पहले हम लोग अपने प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई करने में लगे हुए हैं। जिससे कि दीपावली पर किसी भी तरह की परेशानी ना हो प्राचीन काल समानता है कि दीपों का पर्व रोशनी और साफ-सफाई के लिए ही जाना जाता है। क्योंकि लक्ष्मी जी उसी घर में जाती जहां पर साफ-सफाई होती है इसीलिए लोग दिवाली से पहले अपने घरों दुकानों की सफाई पुताई आदि का काम कर रहे हैं ।

फरार आरोपी की सूचना देने पर ढाई हजार रूपए का इनाम घोषित

विदिशा। पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला के द्वारा सिविल लाइन विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 563/2023 का फरार आरोपी सचिन अहिरवार पुत्र नारायण सिंह अहिरवार उम्र 22 साल निवासी शेरपुरा थाना करारिया हाल अयोध्या बस्ती विदिशा की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले को ढाई हजार रूपए की नगद राशि से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

टॉप 8 पर फिनिश करने वाली टीमों को 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी का टिकट मिलेगा

दिलशान मदुशंका बने टॉप विकेटटेकर, पॉइंट्स टेबल में बांग्लादेश 8वें नंबर पर

नईदिल्ली, एजेंसी। वनडे वर्ल्ड कप 2023 में बांग्लादेश ने श्रीलंका को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने टॉप 8 में फिनिश करने की उम्मीद को बरकरार रखा, जबकि हार के साथ श्रीलंका वर्ल्ड कप से बाहर हो गया। वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में टॉप 8 पर फिनिश करने वाली टीमों को 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी का टिकट मिलेगा। मैच में दिलशान मदुशंका ने 3 विकेट लिए और अब वें इस वर्ल्ड कप के टॉप स्कोरर बन चुके है। बांग्लादेश के खिलाफ 8 चौके लगाने वाल पथुम निसांका टॉप-5 फोर स्कोरर की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। साउथ अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक 550 रन के साथ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में टॉप पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेगी

वनडे वर्ल्ड कप का 39वां मैच आज ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। इस मैच को जीतकर पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लेगी। वहीं इस वर्ल्ड कप में अपने परफॉर्मेंस से सभी को सरप्राइज करने वाली अफगानिस्तान अगर यह मैच जीत जाती है तो वह भी सेमीफाइनल की रेस में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से आगे निकल सकती है।

दोनों टीमें बेहतरीन फॉर्म में: ऑस्ट्रेलिया इस वर्ल्ड कप में शुरुआती दो मुकाबले हारने के बाद बैक टू बैक पांच मैच जीतकर बेहतरीन फॉर्म में है। उसके सात मैचों में पांच जीत और दो हार के बाद 10 पांइट्स हैं और टीम पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर है। दूसरी तरफ अफगान टीम ने इस वर्ल्ड कप में तीन पूर्व चैंपियन इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका जैसी बड़ी टीमों को हराया है। टीम के सात मैचों में चार जीत और तीन हार के बाद 8 पॉइंट्स हैं, और वो छठे नंबर पर है। वनडे में रिकॉर्ड एकतरफा ऑस्ट्रेलिया के हक में है। लेकिन, इस मैच में दोनों टीमों के बीच क?ी टक्कर देखने को मिलेगी। मुजीब उर रहमान, मोहम्मद नबी, राशिद खान और नूर अहमद की स्पिन गेंदबाजी ऑस्ट्रेलिया की बैटिंग लाइन-अप को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वनडे वर्ल्ड कप में दोनों के बीच अब तक कुल दो मैच खेले गए। दोनों में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली। वनडे में दोनों टीमों के बीच वर्ल्ड कप के मुकाबलों के अलावा केवल एक मैच हुआ है। जो साल 2012 में हुआ था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया को 66 रन से जीत मिली थी। यानी अगर आज अफगानिस्तान टीम जीतती है तो उसकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में पहली जीत होगी।

विल्मर-अडाणी की 24 हजार करोड़ में डील होगी फाइनल!

अभी 316.50 रुपए पर है कारोबार

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

अडाणी ग्रुप अपनी FMCG कंपनी अडाणी विल्मर लिमिटेड की 43.97 फीसदी की पूरी हिस्सेदारी बेचना चाहती है। इसके लिए ग्रुप कई मल्टीनेशनल कंज्यूमर गुड्स वाली कंपनियों से बात कर रहा है। इकोनॉमिक्स टाइम ने अपनी रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी बेचने की डील एक महीने अंदर पूरी हो सकती है। ग्रुप हिस्सेदारी बेचने पर 2.5-3 बिलियन डॉलर (करीब 24 हजार करोड़) मिलने की उम्मीद कर रहा है। हालांकि, अडाणी ग्रुप ने अभी तक इसके बारे में किसी भी प्रकार की ऑफिशियल जानकारी नहीं दी है। कंपनी बेचने की खबर आने के बाद सुबह 11 बजे कंपनी के शेयर में 0.16 फीसदी की मामूली गिरावट देखने को मिल रही है। यह 316.50 रुपए पर कारोबार कर रहा है। तीन महीने पहले ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज पिछले कुछ महीनों से अडाणी विल्मर की हिस्सेदारी बेचने की संभावना तलाश कर रही है। ग्रुप इससे मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल अपने कोर बिजनेस में

फोकस करने के लिए करेगा। हालांकि, अदाणी विल्मर ने इसे अफवाह बताते हुए कोई भी कमेंट करने से इनकार कर दिया था। कंपनी ने कहा कि हम सेबी के नियमों का पालन करते हुए डिस्क्लोजर करते रहे हैं और करते रहेंगे। अडाणी विल्मर लिमिटेड गौतम अडाणी की अडाणी एंटरप्राइजेज और सिंगापुर की विल्मर इंटरनेशनल लिमिटेड का जॉइंट वेंचर है।

'जियो मोटिव' डिवाइस लॉन्च, कई एडवांस फीचर्स

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस जियो ने ट्रेडिशनल कारों को स्मार्ट बनाने के लिए 'जियो मोटिव' लॉन्च किया है। 4,999 की कीमत वाले इस डिवाइस में रियल-टाइम लोकेशन ट्रैकिंग, व्हीकल हेल्थ और एक्सीडेंट डिटेक्शन जैसे कई एडवांस फीचर्स मिलते हैं। लॉन्च के साथ ही जियो मोटिव कंपनी की ऑफिशियल ई कॉमर्स वेबसाइट और अन्य ई कॉमर्स वेबसाइट पर अवेलेबल हो गया है। यह डिवाइस केवल जियो की ई-सिम के साथ के साथ काम करता है। हालांकि, इसके लिए अलग से सिम खरीद कर उसमें रिचार्ज करवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपके एग्जिस्टिंग जियो सिम के प्लान पर ही यह डिवाइस काम करेगा।

599 एनुअल प्लेटफार्म फीस लेगी कंपनी: जियो मोटिव के यूजर्स से कंपनी हर साल 599 एनुअल प्लेटफार्म फीस लेगी। हालांकि, पहले साल के लिए यह फीस सभी के लिए फ्री रहेगी, दूसरे साल से एग्जिस्टिंग जियो सिम के प्लान पर डिवाइस को यूज करने के लिए प्लेटफार्म फीस देना होगा। जियोमोटिव एक प्लग-एंड-प्ले डिवाइस है, जिसे इंस्टॉल करने के लिए किसी एक्सपर्ट की जरूरत नहीं पड़ेगी। जियो मोटिव को कार के ओबीडी पोर्ट से कनेक्ट करना होता है, जो अधिकांश व्हीकल में स्टीयरिंग व्हील के नीचे होता है। कोई भी इसे अपनी कार से कनेक्ट करके यूज कर सकता है। हम यहां कुछ पॉइंट में इंस्टॉलेशन प्रोसेस बता रहे हैं-एंड्रॉयड यूजर्स गूगल प्ले स्टोर से और एपल यूजर्स एपल ऐप स्टोर से जियोथिंग्स ऐप डाउनलोड करें। डिवाइस एक्टिव करने के लिए अपनी कार को 10 मिनट तक चालू रखें। लगभग 1 घंटे बाद जियोथिंग्स ऐप में आपकी कार का सभी डेटा दिखने लगेगा।

पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद हफीज ने विराट कोहली को सेल्फिश बताया था

वेंकटेश प्रसाद बोले- हां, कोहली इतने स्वार्थी हैं, कि एक अरब लोगों के सपने को पूरा कर रहे हैं

नईदिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय गेंदबाजी कोच वेंकटेश प्रसाद भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के समर्थन में उतर आए हैं। प्रसाद ने पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद हफीज के विराट कोहली को सेल्फिश बताए जाने की ओलोचना की है। प्रसाद ने हफीज का जवाब देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि हां, कोहली स्वार्थी हैं, इतने स्वार्थी हैं कि वह एक अरब लोगों के सपने को पूरा कर रहे हैं, इतने स्वार्थी हैं कि इतना कुछ हासिल करने के बाद भी उससे बेहतर करने के लिए हमेशा प्रयास करते हैं, इतने स्वार्थी हैं कि अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर सके।

दरअसल, विराट ने कोलकाता के इडेन गार्डन में 5 नवंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ

खेले गए मैच में शतक पूरा कर क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के वनडे शतक रिकॉर्ड की बरबारी की। साउथ अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 101 रन की पारी खेली। कोहली ने शतक पूरा करने के साथ ही वनडे में 49 शतक पूरा किया और सचिन के रिकॉर्ड की बराबरी की।

हफीज ने कहा था, मैंने विराट कोहली की बल्लेबाजी में स्वार्थ की भावना देखी और इस वर्ल्ड कप में ऐसा तीसरी बार हुआ। 49वें ओवर में वह एक रन लेकर अपना शतक पूरा करना चाह रहे थे और उन्होंने टीम को पहले स्थान पर नहीं रखा। रोहित शर्मा भी सेल्फीश क्रिकेट खेल सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि वह अपने लिए नहीं बल्कि टीम इंडिया के लिए खेल रहे हैं। आपको रोहित शर्मा को श्रेय देना होगा। जिस तरह से वह सही इरादे से अपनी पारी खेल रहे हैं वह सराहनीय है। जिस तरह से उन्होंने पहले छह ओवरों में बल्लेबाजी की। उन्होंने शुरुआत में ही साउथ अफ्रीका पर मानसिक दबाव बना दिया। रोहित जानते थे कि आगे पिच पर बल्लेबाजी करना मुश्किल हो जाएगी।

गोवा में चल रहा है 37वें राष्ट्रीय खेल

मप्र 92 पदक अर्जित कर पांचवें स्थान पर पहुंचा

पणजी, एजेंसी

37वें राष्ट्रीय खेल गोवा अंतर्गत केनोइंग खेल का आयोजन मापुसा स्थित चपोरा रिवर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में मप्र क्याकिंग केनोइंग के खिलाड़ियों ने खेल कौशल का बेहतर प्रदर्शन कर मनस्वनी, मीना देवी, ओ बिनीता चानू और टी दिमिता देवी ने के-4 महिला टीम 500 मी. इवेन्ट में 01 स्वर्ण पदक अर्जित कर प्रदेष को गौरवान्वित किया। रायफल शूटिंग खिलाड़ी एष्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने खेल दक्षता और एकाग्रता का उत्कृष्ट प्रदर्षन कर 50 मी. 3 पोजी. इवेन्ट में 01 स्वर्ण अर्जित कर प्रदेष का मान बढ़या। विदित है कि

एशियन गेम्स 2023 चायना में एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने व्यक्तिग और टीम स्पर्धा में 10 मी. एयर रायफल इवेन्ट में कांस्य पदक अर्जित कर देश को गौरवान्वित किया। साथ ही ओलम्पिक 2020 टोक्यों में देश को शूटिंग खेल में ओलम्पिक कोटा दिलाते हुयें एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 50 मी. रायफल 3 पोजीशन पुरूष इवेन्ट में 1167 अंक प्राप्त कर 21वां स्थान अर्जित किया। वहीं कम्पेल ओपन ग्राउण्ड पणजी में मप्र की अंतर्राष्ट्रीय जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य ने -57 किग्रा.भारवर्ग महिला इवेन्ट में तकनीकी खेल कौशल का बेहतर प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं प्रतियोगिता के फायनल मुकाबले के 70 किग्रा. महिला स्पर्धा जूडो खिलाड़ी महिमा पाठक ने रजत पदक अर्जित किया। स्लालम खेल प्रतियोगिता में मप्र के स्लालम सभी चारों खिलाड़ियों ने फायनल में प्रवेश कर लिया है। विशाल वर्मा सी-1 मेन इवेन्ट में एसएससीबी के खिलाड़ी राहुल कुमार से, रीना सेन सी-1 वूमेन इवेन्ट में कर्नाटक खिलाड़ी धनलक्ष्मी ए से, शुभम केवट के-1 इवेन्ट में देहली के खिलाड़ी मोहित कुमार से और भूमि बघेल के- 1 महिला इवेन्ट में आंर्धप्रदेश से फायनल मुकाबला होगा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

रश्मिका का फेक वीडियो वायरल एआई से बनाया सेम-टू-सेम चेहरा

आरश्मिका मंदाना का एक फेक वीडियो सामने आया है, जिसे एआई के जरिए बनाया गया। वीडियो में देखा गया है कि एक महिला लिफ्ट में एंट्री लेती है, जिसका चेहरा हूबहू रश्मिका जैसा है। उस महिला के चेहरे को एआई के डीपफेक टेक्नोलॉजी की मदद से बिल्कुल रश्मिका जैसा बना दिया गया है। इस वीडियो के सामने आने के बाद अमिताभ बच्चन फिल्म गुडबाय की अपनी को-स्टार रश्मिका के सपोर्ट में उतरे हैं। उन्होंने जल्द ही दोषियों के खिलाफ लीगल एक्शन की मांग की है। बिग बी के साथ फैंस भी रश्मिका के सपोर्ट में खड़े हैं। रश्मिका के अलावा कई लोग साइबर क्राइम का शिकार हो चुके हैं। न्यूज के जर्नलिस्ट अभिषेक ने अपने ट्विटर हैंडल पर इस फेक वीडियो को अपलोड किया था। इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा था- भारत में डीपफेक से निपटने के लिए लीगल एक्शन की जरूरत है। आपने एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का ये वायरल वीडियो सोशल मीडिया हैंडल पर देखा होगा, पर ये जारा पटेल नाम की महिला का डीपफेक वीडियो है।

इंटरव्यू में पूछे सवाल का दिया जवाब

सही वक्त आने पर बेटी का चेहरा दिखाएंगी आलिया

टीआलिया भट्ट ने बेटी राहा का चेहरा ना दिखाने पर बात की है। उन्होंने कहा कि जब उन्हें और रणबीर को लगेगा कि अब सही वक्त आ गया है तो वो राहा का चेहरा पूरी दुनिया को दिखा देंगे। आलिया ने ये भी कहा कि वो नहीं चाहती हैं कि राहा का चेहरा हमेशा छिपा रहे। उन्हें अपनी बेटी पर बहुत गर्व है। जल्दी वो एक बड़े पर्दे पर बेटी का चेहरा दिखाएंगी, जब आस-पास दूसरे कैमरे नहीं होंगे। वहीं रणबीर ने भी कुछ समय पहले कहा था कि लोगों को राहा का चेहरा दिखाना उन्हें बहुत पसंद है और इसके लिए वो एक्साइटेड भी हैं। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने 14 अप्रैल 2022 को शादी की थी, जिसके कुछ महीनों बाद उनके घर 6 नवंबर को बेटी राहा का जन्म हुआ था। एक इंटरव्यू में आलिया से पूछा गया कि क्या वो राहा का चेहरा रिवील करेंगी क्योंकि राहा अब जल्द ही एक साल की हो जाएंगी। इस सवाल का जवाब देते हुए आलिया ने कहा कि वो बिल्कुल राहा का चेहरा दुनिया के सामने रिवील करेंगी। फिर उन्होंने आगे कहा- बस इस चीज के लिए हमें थोड़ा और वक्त चाहिए। मैं और रणबीर पेरेंटिंग लाइन में नए हैं। साथ ही हमें इस फैसले में एक साथ आना होगा। जब सही समय आएगा, हम राहा का चेहरा दिखाएंगे। शायद ये सही वक्त कल भी आ सकता है।

पकंज बोले- आंखें बंद कर दूसरों की बातें सुनता हूं...

साबॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी बैक-टू-बैक शूटिंग में बिजी हैं। वो एक साथ कई फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू में पंकज ने बताया कि उन्होंने सेट पर ही सोने का एक अनोखे तरीका निकाला है। पंकज ने कहा कि अगर शूट करते हुए सेट पर रात के 2 बज जाएं तो फिर वो सोने के बहाने ढूंढने लगते हैं। वो सेट पर शूटिंग करते हुए सो जाते हैं और ऐसे एक्टिंग करते हैं जैसे वो सबकी बात सुन रहे हैं।

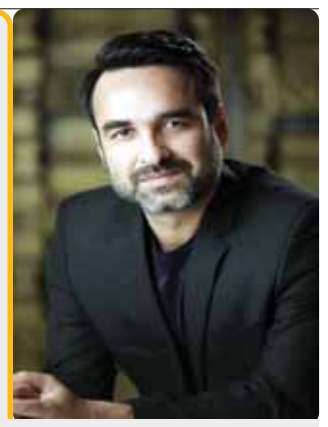

रात में एक बजे के बाद शूटिंग नहीं कर सकता

एक इंटरव्यू में पंकज ने कहा, 'मुझे 7 घंटे की नींद चाहिए होती है। मैं रात के 2 बजे के बाद शूट नहीं कर पाता। पिछले दो-तीन साल में मेरा आउट टाइम रात में 1 बजे है। आप शाम के 5 बजे तक लाइटिंग कर लो। मैं 6 बजे काम शुरू करूंगा और 12 से 1 बजे तक शूट कर सकता हूं पर बस उसके बाद नहीं। फिर मैं सेट पर ही सोने के बहाने ढूंढने लगता हूं।' पंकज ने आगे कहा, 'मैं चलते शॉट में सो सकता हूं। अगर आपने मुझे शॉट में कोई लाइन नहीं दी तो मैं अपने को-एक्टर को देखते-देखते सो जाऊंगा। ऐसा मैंने किया भी चलते शॉट में..।' उस इंसीडेंट का जिक्र करते हुए पंकज ने बताया, 'जब मैं नींद में होता हूं तो उसे अपने एक्टिंग का हिस्सा बना लेता हूं। तो मैं अपने को-एक्टर या डायरेक्टर की बातें सुनते हुए आंख बंद कर लेता हूं और एक्चुअली मैं नींद में जाने वाला होता हूं। मैं इसे ऐसे ट्रीट करता हूं कि बाकी सबको मेरा इन्वॉल्वमेंट नजर आता है पर ऐसा होता नहीं है। कमाल का प्रदर्शन किया था। एक बार में सो गया था और अपनी क्यू भी भूल गया। जब कुछ देर तक मैंने अपनी लाइन्स नहीं बोलीं तो डायरेक्ट ने कट बोला और मुझे याद दिलाया कि मेरा डायलॉग था। मैं सो गया था.. क्यू भी मिला था पर किसी को लग नहीं रहा था कि यह आदमी सो रहा है।'पंकज ने यह भी बताया कि वो शूटिंग के दिनों में सिर्फ खिचड़ी ही खाते हैं।

लोहे की चादर भेजने के नाम पर तीस लाख की ठगी

पांच लाख का सामान भेजा, तीस लाख रुपए का सामान भेजने से मुकरे कारोबारी, अमानत में खयानत का मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कटारा हिल्स पुलिस ने एक कारोबारी की शिकायत पर पुणे के दो पार्टनरों पर अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया है। पार्टनरों पर आरोप है कि उन्हें लोहे की चादर भेजने के नाम पर 35 लाख रुपए एडवांस लिए और सिर्फ पांच लाख रुपए की ही चादर पहुंचाई। कारोबारी ने शेष तीस लाख रुपए की चादर भेजने की बात कही तो आज कल का कहते हुए पार्टनरों ने 8 महीने गुजार दिए और अब चादर भेजने से इंकार कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई चेतन गुप्ता ने बताया कि अपूर्व असाठी (35) अवधपुरी में रहते हैं। उन्हें बगरौदा में आटो पार्ट्स का कारोबार शुरू करना था। उन्हें सेड बनाना था और लोहे के चादर की जरूरत थी। उन्हें कुछ व्यापारियों ने बताया कि पुणे में योगेश हरिशचंद्र डागे और उनका पार्टनर तुकाराम अंकुश राव सही कीमत पर लोहे के चादर उपलब्ध करा देंगे। अपूर्व असाठी ने मोबाइल पर दोनों से संपर्क किया और पांच लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर कर दिए। पांच लाख रुपए ट्रंसफर करने के बाद पुणे से माल बगरौदा पहुंच गया और उन्होंने काम शुरू कर दिया। उन्हें और चादरों की आवश्यकता थी। लिहाजा योगेश और तुकाराम से उन्होंने दौबारा संपर्क किया और उनके कहने पर तीस लाख रुपए फरवरी में ट्रांसफर कर दिए।

आरोपी आज-कल में पहुंचाने का देते रहे झांसा

आरोपियों के हाथ तीस लाख रुपए की नगदी लगते ही उनकी नियत डगमगा गई। वह अपूर्व से कहने लगे कि माल की कमी है जैसे ही माल आता है सबसे पहले आपके पास पहुंचा देंगे। समय बीतता गया और माल नहीं मिला तो अपूर्व ने अपने रुपए वापस मांगे थे। इस पर आरोपियों ने रुपए लौटाने से इंकार कर दिया। घटना की शिकायत मिलते ही पुलिस ने आरोपियों पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी के लिए जल्द ही एक टीम पूणे भेजी जाएगी।

बस और दुकान के जीने में दबा युवक, गंभीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित संजय नगर, खुदा दाद मस्जिद के पास बस के पिछले टायर और दुकान के जीने के बीच दबने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बस के पहिये से दबने से उसे पसलियों में गंभीर चोट है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार सादाब खान पिता इस्लाम खान (39) संजय नगर कॉलोनी, खुदा दाद मस्जिद के पास शाहजहांनाबाद में रहता है। पेशे से आटो चालक सादाब ने पुलिस को बताया कि खुदा दाद मस्जिद के पास रात करीब साढ़े 9 बजे बस बारात लेने आई थी। बस को सादाब क्लीनर साइड से इशारा करते हुए बस लगवा रहा था। इस दौरान बस के चालक ने बस को अचानक तेजी से पीछे बढ़ा दिया। बस एकाएक बढ़ने से सादाब खान, फरान की दुकान के जीने और बस के क्लीनर साइड के टायर के बीच दब गया। इस हादसे में उसे सीने में गंभीर चोट आई है। उसे वहां मौजूद लोग अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां इलाज चल रहा है। पसलियों में चोट होने के कारण उसकी स्थित गंभीर है।

बैरसिया पुलिस की कार्रवाई, साढ़े 8 लाख का माल जब्त

कार से कच्ची शराब बरामद, पुलिस ने अवैध भट्टी और महुआ नष्ट किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बैरसिया पुलिस ने भैसोंदा-बैरसिया पुलिया के पास एक बोलेरो वाहन पर दबिश देकर तीन केन अवैध कच्ची शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के घर के पीछे बनी अवैध भट्टी व जमीन में दबा महुआ लहान भी जब्त कर नष्ट किया है। पुलिस ने बोलेरो वाहन समेत करीब 8 लाख 55 हजार का मशरूका बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक विगत पांच नवंबर को सूचना मिली कि एक सफेद रंग की बोलेरो कार में अवैध हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब की सप्लाई की जा रही है। बोलेरो वाहन भैसोंदा गांव से बैरसिया की तरफ आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम दबिश देने के लिए रवाना हो गई। भैसोंदा-बैरसिया पुलिया के पास पुलिस ने सफेद रंग की बोलेरो कार क्रमांक एमपी 04 सीएन 3442 को घेराबंदी कर रोक लिया। तलाशी लेने पर बोलेरो की बीच वाली सीट पर प्लास्टिक की तीन केन रखी मिलीं। उसमें करीब 125 लीटर हाथ भट्टी की बनी महुआ लहान कच्ची शराब भरी मिली।

फाइल फोटो

तलाशी के बाद पुलिस ने विधिवत रूप से आरोपी चालक रजनेश कंजर (27) निवासी ग्राम भैसोंदा, बैरसिया को गिर तार कर अवैध कच्ची शराब जब्त कर ली। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने घर के पीछे हाथ भट्टी में शराब बनाता है। लिहाजा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अवैध हाथ भट्टी और जमीन में दबा कच्चा महुआ लहान विधिवत रूप से नष्ट किया गया। पुलिस ने 25 हजार रुपए की अवैध कच्ची शराब, 30 हजार रुपए की कच्ची शराब बनाने की सामग्री महुआ लहान व बोलेरो वाहन समेत 8 लाख 55 हजार रुपए का माल बरामद किया है।

इधर, राजस्थान के तस्कर से 14 किलो अवैध गांजा बरामद

राजधानी की जीआरपी ने मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक-6 पर पुल के नीचे छिपे मादक पदार्थों के एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 14 किलो अवैध गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की कीमत दो लाख 80 हजार रुपए बताई गई है। आरोपी किसी ट्रेन के इंतजार में पुल के नीचे छिपा हुआ था। जीआरपी के मुताबिक विगत पांच नवंबर की दोपहर प्लेटफार्म क्रमांक-6 पुराने पुल के नीचे पर चैकिंग के दौरान आरोपी विकास आचार्य (27) निवासी घंटाघर जोधपुर थाना सिटी कोतवाली जिला जौधपुर राजस्थान, को दो बैग के साथ संदिग्ध हालत में हिरासत में लिया गया। आरोपी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक-6 पर पुल के नीचे किसी ट्रेन के इंतजार में छिपा बैठा था। तलाशी लेने पर दोनों बैगों से करीब सात-सात किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा रखा मिला। इस प्रकार चैकिंग के दौरान भोपाल जीआरपी ने तस्कर से कुल 14 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया। पुलिस ने नारकोटिक्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बदमाश से कट्टा और कारतूस बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया थाना पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की कार्रवाई कर रही है। सब इंस्पेक्टर रिंकू जाटव ने बताया कि सूचना पर ग्राम भैंसोदा में आर्म्स एक्ट की कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर की गई है।

पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांव में रहने वाला राजेश कंजर पिता सिंघराम कंजर (25) अवैध रूप से कट्टा और कारतूस रखे हुए हैं। पुलिस मुखबिर के बताए पते पर दबिश दी और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक कट्टा बरामद हुआ साथ ही जिंदा कारतूस भी मिला है।

लघुशंका कर रहे ड्राइवर पर तीन युवकों ने तलवार से किया जानलेवा हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लघुशंका करने रुके एक ड्राइवर पर तीन युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। मामला शाहपुरा इलाके का बताया जा रहा है। घायल ड्राइवर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए हमलावर युवकों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि बागसेवनिया क्षेत्र में रहने वाला महेन्द्र मीना शाहपुरा में व्यक्ति की कार चलाता है। देर रात वह वाहन को कार मालिक के घर रख आया और इसके बाद वह अपने घर लौट रहा था कि तभी रास्ते में दानापानी रेस्टोरेंट के पास उसने अपना वाहन रोका और लघुशंका करने लगा, तभी अचानक से तीन युवक वहां पहुंचे और उन्होंने गाली-गलौज करते हुए उस पर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। ड्राइवर महेन्द्र को लहूलुहान कर युवक मौके से भाग निकले। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात युवकों के खिलाफ जानलेवा हमला करने की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

कॉम्बिंग गश्त के जरिए बदमाशों की धरपकड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चुनाव के मद्देनजर पुलिस की नजर चप्पे-चप्पे पर है। पुलिस ने कॉबिंग गश्त के दौरान कई अपराधियों की धड़पकड़ की है। कॉबिंग गश्त के दौरान पुलिस ने 290 स्थाई वारंटी व 231 गिरफ्तारी वारंट सहित 521 गुंडे बदमाशों की धरपकड़ की। इसके अलावा गुंडा बदमाश हिस्ट्रीशीटर लिस्ट लेकर संदिग्ध बदमाशों की जांच भी की। भोपाल पुलिस कमिश्नर सिस्टम बनने के बाद अब तक छ हजार से ज्यादा बदमाशों को जेल भेजा जा चुका है। जानकारी के अनुसार जोन एक क्षेत्र में 85 स्थाई व 53 गिरफ्तारी वारंट समेत 138 वारंटी पर कार्रवाई की है। जोन 2 क्षेत्र में 34 स्थाई एवं 43 गिरफ्तारी वारंट समेत 77 वारंटी पकड़े गए। इसके अलावा जोन 3 क्षेत्र में 62 स्थाई एवं 84 गिरफ्तारी वारंट समेत 146 वारंटी पर कार्यवाही की। वहीं जोन 4 क्षेत्र में 109 स्थाई, 51 गिरफ्तारी वारंट समेत कुल 160 वारंट तामील किए गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आगे भी ऐसे कार्रवाई जारी रहेगी। आने वाले दिनों में अपराधियों पर और ज्यादा सख्ती की जाएगी।

मेट्रो एंकर सीसीटीवी फुटेज हाथ लगने के बाद भी गिरोह पुलिस गिरफ्त से बाहर

एटीएम बदलकर चोरी और ठगी करने वाले गिरोह का अब तक नहीं सुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में एटीएम बदलकर खाते से नगदी निकालने और आनलाइन शॉपिंग करने वाले गिरोह का अब तक राजधानी पुलिस सुराग नहीं लगा सकी है। पुलिस को लगभग सभी वारदातों में बदमाशों के फुटेज मिल चुके हैं। बावजूद इसके पुलिस अब तक गिरोह को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। आरोपियों के फुटेज तक पुलिस ने सोशल मीडिया और मीडिया को उपलब्ध नहीं कराए हैं। यदि सोशल मीडिया पर फोटो या फुटेज वायरल होते है तो पुलिस को गिरोह तक पहुंचने में आसानी होगी। इसके अलावा यदि मीडिया में आरोपियों के फुटेज आते हैं तो भी पुलिस आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर सकती है, लेकिन पुलिस आरोपियों का हुलिया जारी नहीं कर रही है।

उल्लेखनीय है कि गरोह नए और पुराने शहर में अब तक आधा दर्जन से अधिक चोरी और धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दे चुका है। एटीएम में पैसे निकालते समय सावधानी बरतने की जरूरत है। यदि आप एटीएम में पैसे निकालने पहुंचते हैं तो भीड़ में शामिल न रहें। यदि पैसे निकालने में आपकों कोई दिक्कत आ रही है तो नजदीकी ब्रांच से संपर्क करें। अंजान व्यक्ति से मदद लेकर आप मुश्किल में पड़ सकते हैं। एटीएम में आसपास खरूो व्यक्ति को बाहर का रास्ता दिखाएं या उसे पहले पैसे निकालने का कहकर बाद में पैसे निकाले। किसी केक सामने पैसे निकालने से आपके साथ ठगी या आपका एटीएम चोरी कर खाते से पैसे निकाले जा सकते हैं। इन दिनों राजधानी में गिरोह ऐसे ही वारदात कर रहा है। कार्ड एटीएम में लगाते समय ध्यान रखें कि कोई आप पर नजर तो नहीं रख रहा है और आपका पिन तो देखने का प्रयास नहीं कर रहा है।

अशोका गार्डन से शुरुआत: अशोका थाना क्षेत्र स्थि सब्जी मंडी चौराहे पर पहली वारदात नर्सिंग छात्रा के साथ की गई। उसका एटीएम बदलकर आरोपी ने उसके खाते से 27 हजार रुपए निकाल लिए। अगले वारदात बदमाशों ने जहांगीराबाद में चर्च रोड स्थित एटीएम की और तीन बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक के खाते से चालीस हजार रुपए की रकम निकाल ली। इसी तरह बदमाशों ने एक अन्य वारदात बजरिया इलाके में की और हम्माल के खाते से तीस हजार रुपए की रकम निकाल ली। गिरोह ने दो दिन पहले शाहपुरा में भी इसी तरह की वारदात को अंजाम दिया। यहां रहने वाले व्यपारी के खाते से बदमाशों ने एटीएम बदलकर 34 हजार रुपए की नकदी निकाल ली। इसके अलावा भी राजधानी के चार अलग अलग थाना क्षेत्रों में वारदात को अंजाम दिया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022